द रेड स्टार न्यूज
को अनुभवी संवाददाता एवं प्रतिनीधि की आवश्यकता है, इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947
P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह वर्ष- 15 अंक- 12 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त | 14 फरवरी से 20 फरवरी 2024 | पेज-8 | ₹ 2/-

कांग्रेस देगी MSP की गारंटी

नई दिल्ली। अपनी मांगों के साथ सैकड़ों किसान संगठन के समर्थन में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों ने राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शन की पूरी तैयारी कर ली है। अपनी मांगों के साथ दबाव बनाने के लिए किसान सड़कों पर उतर चुके हैं। इसी बीच राहुल गांधी ने इन किसानों का समर्थन करते हुए कहा है कि कांग्रेस हर एक किसान के साथ है और यह किसानों को कांग्रेस की पहली गारंटी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने कहा किसान भाइयों आज ऐतिहासिक दिन है! कांग्रेस ने हर किसान को फसल पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का फैसला लिया है। यह कदम 15 करोड़ किसान परिवारों की समृद्धि सुनिश्चित कर उनका जीवन बदल देगा। न्याय के पथ पर यह कांग्रेस की पहली गारंटी है। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा आज किसान दिल्ली की ओर मार्च कर रहे हैं, उन्हें रोका जा रहा है, उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। वे क्या कह रहे हैं? वे सिर्फ अपनी मेहनत का फल मांग रहे हैं। बीजेपी सरकार ने एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा की, लेकिन वे एमएस स्वामीनाथन की कही बात को लागू करने को तैयार नहीं हैं। साथ ही उन्होंने कहा उन्होंने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि किसानों को वाकई एमएसपी का कानूनी अधिकार मिलना चाहिए लेकिन बीजेपी सरकार ऐसा नहीं कर रही है। जब सरकार सत्ता में आएगी तो हम भारत के किसानों को एमएसपी की गारंटी देने वाला कानून देंगे। स्वामीनाथन रिपोर्ट में जो उल्लेख किया गया है, हम उसे पूरा करेंगे।

लोकसभा चुनाव
EC की टीम ने किया सिक्किम दौरा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में भारतीय चुनाव आयोग की टीम ने सिक्किम का दौरा किया। चुनाव आयोग की टीम ने राज्य में मुख्य सचिव, डीसीपी, राज्य पुलिस नोडल अफसर, विशेष डीसीपी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार में चर्चा हुई। सोमवार को चुनाव आयोग ने तैयारियों की समीक्षा के लिए सभी जिला कलेक्टरों के साथ भी बैठक की। असम सरकार ने मंगलवार को काजी नेमु को राज्य फल घोषित कर दिया है। काजी नेमु अपनी अनोखी सुगंध और स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने विधानसभा में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कल कैबिनेट की बैठक में काजी नेमु को राज्य फल के तौर पर मंजूरी दे दी गई है। यह हमारी सरकार का सराहनीय निर्णय है। अतुल बोरा ने बताया कि इस फल को 2016 में जीआई टैग मिला था। काजी नेमू का व्यावसायिक वृक्षारोपण किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में इस फल को मध्य पूर्व सहित कई देशों में निर्यात किया गया है। इस बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि काजी नेमू को राज्य फल घोषित करने के निर्णय से इस फल को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रमुखता आकर्षित करने में मदद मिलेगी। राज्यसभा के 27 फरवरी को

होने वाले चुनाव के लिए ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) के उम्मीदवार के रूप में देबाशीष सामंत्रे और शुभाषीश खूंटिया ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों की उपस्थिति में दोनों उम्मीदवारों ने उच्च सदन में चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। हालांकि राज्यसभा की तीसरी सीट को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। पटनायक ने सोमवार को दो ही उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और बीजद नेता प्रशांत नंदा तथा अमर पटनायक का राज्यसभा में कार्यकाल अप्रैल में समाप्त होने पर ये तीन सीट रिक्त होंगी। इस तरह की अटकलें भी चल रहीं हैं कि पटनायक तीसरे उम्मीदवार के रूप में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का नाम ले सकते हैं।

नए कानून पर रोक लगाने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नए कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल द्वारा करने का प्रावधान है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा दायर याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही मामले को अप्रैल में सुनवाई के लिए अन्य दूसरी लंबित याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध कर दिया। याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। एडीआर की ओर से सीनियर वकील प्रशांत भूषण पेश हुए। उन्होंने कहा कि कानून सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले के विपरीत है जिसमें निर्देश दिया गया था कि सीजेआई उस पैनल में शामिल होंगे जो मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेगा। भूषण ने कहा कि दो चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्त होने वाले हैं और अगर कानून के क्रियान्वयन पर रोक नहीं लगाई गई तो याचिका बेकार हो जाएगी। पीठ ने प्रशांत भूषण से कहा माफ करें, हम आपको इस मामले में अंतरिम राहत नहीं दे सकते। संवैधानिक वैधता का मामला कभी भी बेकार नहीं होता। हम अंतरिम राहत देने के लिए अपने मापदंडों को जानते हैं। नए कानून के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री अध्यक्ष के तौर पर, सदन में विपक्ष के नेता लोग सदस्य के तौर पर प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सदस्य के तौर पर शामिल रहेंगे।

उच्च जनसंख्या बीमारी - मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि उच्च जनसंख्या राज्य के लिए एक बीमारी है जो विभिन्न मापदंडों में इसके प्रदर्शन को प्रभावित करती है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रव्यापी स्वच्छता सर्वेक्षण में राज्य का खराब प्रदर्शन सरकार के बजाय समग्र रूप से लोगों पर प्रतिबिंबित करता है। राज्य के बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए सरमा ने कहा कि प्रतिशत के मामले में राज्य के प्रदर्शन की तुलना अरुणाचल प्रदेश या मेघालय से नहीं की जा सकती, जिनकी आबादी असम से काफी कम है। हमारे प्रदर्शन का एक प्रतिशत हमारी जनसंख्या के बोझ पर निर्भर करता है। विपक्षी कांग्रेस के विधायक भरत चंद्र नारा ने बताया कि असम का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। कांग्रेस के विधायक भरत चंद्र नारा ने मुख्यमंत्री के समक्ष बोलते हुए कहा था कि हालिया सर्वेक्षण के निष्कर्षों के अनुसार असम का जीईआर 16.9 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय औसत 27.1 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अन्य पूर्वोत्तर राज्यों का प्रतिशत असम से बेहतर है, उनमें से कुछ का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। कांग्रेस विधायक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सरमा ने कहा हमें बीमारी पर हमला करना है, लक्षणों पर नहीं और हमारी बीमारी जनसंख्या है। सीएम ने कहा कि इसे संबोधित करने के लिए एक उचित नागरिक भागीदारी की जरूरत है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के महासचिव पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है. स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने एक्स अकाउंट पर त्यागपत्र को साझा करते हुए संज्ञानार्थ लिखा है और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व समाजवादी पार्टी को टैग किया है. स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि पद के बिना भी सपा को सशक्त बनाने में तत्पर रहूंगा. उन्होंने आगे कहा कि बिना पद के पार्टी के सशक्त बनाने में तत्पर रहूंगा कि बीते कई वर्षों से पार्टी को लेकर आदिवासियों दलितों पिछड़ों का रुझान समाजवादी पार्टी की तरफ बढ़ा है. बढ़ा हुआ जन आधार पार्टी और जन आधार बनाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है लेकिन मेरे ऊपर बार-बार निजी बयान देने और पार्टी के विरोधी कार्यो में लिप्त होने की जा रही है. स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने इस्तीफे में आगे लिखा कि पार्टी का जनाधार बढ़ाने का क्रम मैंने अपने तौर-तरीके से जारी रखा. इसी क्रम में मैंने आदिवासियों, दलितों व पिछड़ो को जो जाने-अनजाने भाजपा के मकड़जाल में फंसकर भाजपा मय हो गए थे. उनके सम्मान व स्वाभिमान को जगाकर व सावधान कर वापस लाने की कोशिश की तो पार्टी के ही कुछ छुटभईये व कुछ बड़े नेता मौर्य जी का बयान है. उन्होंने आगे लिखा कि हैरानी तो तब हुई जब पार्टी के वरिष्ठतम नेता चुप रहने के बजाय मौर्य जी का निजी बयान कह करके कार्यकर्ताओं के हौसले को तोड़ने की कोशिश की, मैं नहीं समझ पाया एक राष्ट्रीय महासचिव में हूँ, जिसका कोई भी बयान निजी बयान हो जाता है और पार्टी के कुछ राष्ट्रीय महासचिव व नेता ऐसे भी हैं जिनका हर बयान पार्टी का हो जाता है, एक ही स्तर के पदाधिकारियों में कुछ का निजी और कुछ का पार्टी का बयान कैसे हो जाता है यह समझ के परे है.

1 करोड़ घरों को 300 यूनिट मिलेगी मुफ्त बिजली

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा और सतत प्रगति को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रही है। इस योजना का लक्ष्य 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके एक करोड़ घरों को रोशन करना है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि इस परियोजना में 75000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा।

सोशल मीडिया (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा सतत विकास और लोगों की भलाई के लिए, हम पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रहे हैं। 75000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके 1 करोड़ घरों को रोशन करना है। पीएम मोदी ने कहा कि ठोस सब्सिडी से लेकर भारी रियायती बैंक ऋण तक, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी हितधारकों को एक राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल से एकीकृत किया जाएगा। बता दें कि यह सब्सिडी सीधे लोगों के बैंक खातों में दी जाएगी।

कर्नाटक में कांग्रेस के विधायकों के ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरु, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी एवं कुछ अन्य के विरुद्ध मनी लांड्रिंग जांच के तहत शनिवार को एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की। बेल्लारी से 34 वर्षीय विधायक भरत के परिसरों समेत कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ अन्य स्थानों पर तलाशी जारी है। केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बेल्लारी और बेंगलुरु में भरत के ठिकानों पर छापेमारी की। रेड्डी के विरुद्ध मनी लांड्रिंग का मामला कर्नाटक पुलिस द्वारा पंजीकृत एफआइआर पर आधारित है। कांग्रेस विधायक पर ईडी के स्कैनर में जो जमीन थी उसका सौदा करने का आरोप है। विधायक से जुड़े कुछ खनन व्यवसाय की भी एजेंसी जांच कर रही है। ईडी ने मनी लांड्रिंग के एक मामले में गोल्डन लैंड डेवलपर्स के ओडिशा, पंजाब, चंडीगढ़ और दिल्ली में 19 ठिकानों पर छापेमारी की। छापे के दौरान कुल 43.48 लाख रुपये नकदी और 64.22 लाख बैंक जमा के साथ ही 35 लाख

रुपये की एक कार जब्त की गई है। इसके साथ ही मामले से संबंधित 1500 एकड़ संपत्ति के कागजात समेत कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी बरामद किए गए हैं। सीबीआइ द्वारा एफआइआर पंजीकृत किए जाने के बाद ईडी ने कंपनी के विरुद्ध जांच शुरू की थी।

इंडियन एयरफोर्स का ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्त

पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल के कलाइकुंडा से एक बुरी खबर सामने आई है. इंडियन एयरफोर्स का ट्रेनी विमान हादसे का शिकार हो गया. विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं. हादसे की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी गठित की गई है. पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा इलाके में भारतीय वायु सेना का एक ट्रेनर विमान दुर्घटना का शिकार हो गया. राहत की बात ये रही कि इसमें सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं. जानकारी के मुताबिक वायु सेना का एक हॉक ट्रेनर विमान दुर्घटना का शिकार हुआ जिसमें पायलट ट्रेनिंग के लिए उड़ान भर रहे थे.

जैसे ही विमान में खराबी की आशंका पायलट्स को हुई वैसे ही वो उससे बाहर निकिल गए. ऐसे में दोनों पायलट्स की जान बच गई और फिलहाल वो सुरक्षित हैं. वायु सेना के इस विमान दुर्घटना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के लिए आदेश दे दिए गए हैं. वहीं इस हादसे में किसी भी सिविलियन को नुकसान नहीं पहुंचा है और न ही किसी तरह की जान-माल की हानि की कोई जानकारी अब तक मिली है. इस विमान का इस्तेमाल ट्रेनी पायलट्स की फ्लाईंग और आर्म्स

ट्रेनिंग के लिए कयिा जाता है. पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा में 4 अगस्त, 2016 को भी भारतीय वायुसेना का एडवांस ट्रेनर जेट विमान हादसे का शिकार हुआ था. इस हादसे में भी कोई हताहत नहीं हुआ था. उस वक्त विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित निकिल गए थे. इस वमिान की खासयित की बात करें तो यह रात में भी बिना किसी अतिरिक्त उड़ान सीमाओं के भेजा जा सकता है. यह विमान लंबी अवधि के एरोबेटिक युद्धाभ्यास की स्थितियों से निपटने की क्षमता रखता है. लंबी उड़ान के लिए इसके मुख्य कॉकपिट को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है.

सब्जियों की कीमतों में लगेगी आग?

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के कारण सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए यूपी गेट सहित सभी मुख्य मार्गों पर बाड़ेबंदी कर दी गई है, जिससे दिल्ली आने-जाने में परेशानी हो गई है। इसका सीधा असर सब्जियों की सप्लाई और इसकी कीमतों पर पड़ सकता है। पिछली बार भी किसान आंदोलन के कारण सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। सब्जी विक्रेता विनोद कुमार ने अमर उजाला को बताया कि वे गाजीपुर सब्जी मंडी से सब्जियां लेकर पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बेचते हैं। अब तक गाजीपुर से बाजार तक सब्जी ले जाने के लिए दो सौ से तीन सौ रुपये के बीच ऑटो मिल जाते थे, लेकिन आज की स्थिति देखते हुए उन्हें पांच सौ रुपये देने पड़ रहे हैं। पहले तो ऑटो आने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं क्योंकि उन्हें मंडी में आने के लिए और वापसी के समय लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, इसलिए वे ज्यादा किराया मांग रहे हैं। गाजीपुर सब्जी मंडी में मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा से भी सब्जियां बिकने के लिए आती हैं।

पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में झमाझम बरसेंगे बादल !

नई दिल्ली। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक जहां शीतलहर और कोहरे की मार से लोग परेशान थे। वहीं, अब जाती हुई ठंड लोगों को और भी सताने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर कई पहाड़ी इलाकों में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने उत्तरप्रदेश-बिहार सहित कई राज्यों के मौसम को लेकर भविष्यवाणी की है कि आज 13 फरवरी को कई राज्य में बारिश और छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है। राजधानी में सुबह हल्का कोहरा रहा। सर्द हवाओं के साथ बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार व बुधवार को दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़ झारखंड बिहार पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके अलावा दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि भी संभव है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की भी संभवाना जताई है। तमिलनाडु में हल्की

बारिश संभव है। उत्तराखंड के मौसम में बदलाव देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आज यानी मंगलवार को चोटियों पर हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है। वहीं आसपास के क्षेत्रो में हल्की बारिश हो सकती है। जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है। उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर कई अलर्ट जारी किया है। IMD के अनुसार आंधी-बिजली और तेज हवाओं के साथ 14 फरवरी को बिहार में बारिश हो सकती है। बिहार के अलावा, 14 फरवरी को गंगीय पश्चिम बंगाल में रहेगी। वहीं ओडिशा में 15 और 16 फरवरी को, उत्तर प्रदेश में 14 फरवरी के दौरान बारिश का अनुमान है।

संपादकीय

आतंकी फैक्ट्री पाकिस्तान!

अजब देश पाकिस्तान में इस समय गजब हो रहा है। पहले चुनाव टाले जाते रहे और अब चुनाव परिणाम टाले जा रहे हैं। चुनाव परिणामों को अचानक से पलट दिया जा रहा है। अंतिम चुनाव परिणामों की घोषणा में हो रही देरी के लिए कभी संचार सेवाओं में खराबी का बहाना बनाया जा रहा है तो कभी किसी और तकनीकी कारण का हवाला दिया जा रहा है। खास बात यह है कि सारी कारगुजारियों पर पर्दा डालने के लिए कभी पाकिस्तान के राष्ट्रपति से बयान दिलवा कर लोगों को भरमाने का प्रयास किया जा रहा है तो कभी खुद सेनाध्यक्ष बयान जारी कर देश में चल रही चुनावी धांधली से लोगों का ध्यान बंटाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन पब्लिक सब जानती है इसलिए वह सेना और नेताओं के बयानों से आश्वस्त होकर घर बैठने की बजाय सड़कों पर उतर कर हंगामा कर रही है।

पाकिस्तानी मीडिया की तमाम रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि जनादेश को पलटने और जबरन नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद पर बैठाने का जो खेल चल रहा है उससे अवाम बिल्कुल खुश नहीं है। लोग कह रहे हैं कि जब सेना को ही प्रधानमंत्री का सलेक्शन करना था तो यह इलेक्शन क्यों करवाये गये? लोग सवाल कर रहे हैं कि जब जनादेश का कोई मतलब ही नहीं है तो पहले ही आर्थिक दुश्वारियां झेल रहे देश पर चुनावी खर्च के रूप में और आर्थिक बोझ क्यों बढ़ाया गया? पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टें तो यहां तक कह रही हैं कि सेना में भी कुछ लोग अब इमरान खान को ही दोबारा कमान सौंपने के पक्ष में हैं। इस तरह की भी रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि विदेशों में भी जहां-जहां पाकिस्तानी रहते हैं वह वहां पर इमरान खान के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। पाकिस्तान में भी कोने-कोने में बच्चों से लेकर बूढ़े तक इमरान खान के पक्ष में नारेबाजी करते देखे जा सकते हैं। पाकिस्तान में इस वक्त जो सूरत ए हालात हैं वह दर्शा रहे हैं कि यदि सेना ने पब्लिक की ओर अनदेशी की तो देश को गृह युद्ध की ओर बढ़ने से रोकना मुश्किल हो जायेगा। पाकिस्तानी सेना को समझना होगा कि इस बार जनता ने किसी पार्टी के समर्थन में या किसी के विरोध में मत देने की बजाय सेना के विरोध में वोट डाला है इसलिए टीवी स्क्रीनों पर मतगणना के रुझानों और परिणामों को देख कर लोग नाराज हो रहे हैं और चुनाव अधिकारियों के खिलाफ भी जनता सड़कों पर नजर आ रही है। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं कि हमने सुना था कि 1970 में जनादेश का चीरहरण हुआ था लेकिन अब देख भी लिया कि कैसे जनादेश को पलटा जाता है। जनता कह रही है कि सरकार चुनने का अधिकार उसका है और उसकी पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए....

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह

चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न की घोषणा में चौधरी चरण सिंह के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि यह सम्मान उन्हें काफी पहले मिल जाना चाहिए था। चौधरी चरण सिंह का सम्मान देर से लिया गया एक फैसला है। चौधरी चरण सिंह 'भारत रत्न' के लिये पूरी तरह से योग्य थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर में चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1903 को एक ग्रामीण किसान परिवार में हुआ था। एक मध्यम वर्गीय जाट किसान परिवार में जन्मे चौधरी चरण सिंह लोकतंत्र के बड़े पैरोकार थे। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने में इतना समय क्यों लगा यह यक्ष प्रश्न हो सकता है। अब जबकि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह को वह सम्मान दिलाया है जिसके वह हकदार थे तो इस पर किसी को एतराज नहीं होगा। उन्होंने 1923 में विज्ञान से स्नातक किया एवं 1925 में आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद से एक अधिवक्ता के रूप में पेशे की शुरुआत की थी। चरण सिंह 1929 में मेरठ आ गये और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। चौधरी चरण सिंह की विरासत अब उनके पौत्र जयंत चौधरी संभाल रहे हैं। वह राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बाबा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने 'दिल जीत लिया'। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के खिलाफ कहीं से कोई आवाज तो नहीं उठ रही है, लेकिन भारत रत्न देने की टाइमिंग पर जरूर सवाल उठाया जा रहा है। ऐन चुनाव से पूर्व जब इस बात की चर्चा चल रही है कि चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चैधरी की राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ गठबंधन की चर्चा तेज है, तब इस तरह का फैसला सवाल तो खड़ा करता ही है। चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। बाद में 1952 में वह डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। इसी तरह से चौधरी चरण सिंह सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में गृह एवं कृषि मंत्री (1960) रहे। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस के विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। कांग्रेस में रहकर भी समाजवाद को आगे बढ़ाने वाले चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा की एवं उनकी ख्याति एक ऐसे कड़क नेता के रूप में हो गई थी जो प्रशासन में अक्षमता, भाई भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी चरण सिंह अपनी वाकपटुता एवं दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। वह 1959 से राष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगे जब उन्होंने नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में निर्विवाद नेता और प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि नीतियों का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था। हालाँकि गुटों से भरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस में उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी, लेकिन यही वह समय था जब उत्तर भारत में विभिन्न जातियों के मध्यम से किसान समुदायों ने उन्हें अपने प्रवक्ता और बाद में अपने निर्विवाद नेता के रूप में देखना शुरू कर दिया। यह भी ध्यान देने योग्य है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर अपनी स्पष्ट नीतियों और मूल्यों को व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें अपने सहयोगियों से अलग खडा किया। इस अवधि के बाद, चरण सिंह 1 अप्रैल 1967 को कांग्रेस से अलग हो गए, विपक्षी दल में शामिल हो गए और यूपी के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने। यह वह समय था जब 1967 से 1971 तक भारत में गैर-कांग्रेसी सरकारें एक मजबूत ताकत थीं। जनता गठबंधन के एक प्रमुख घटक भारतीय लोक दल के नेता के रूप में 1977 में जयप्रकाश नारायण की पसंद मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा से उन्हें निराशा हुई। 1977 के लोकसभा चुनावों के दौरान जब बिखरा हुआ विपक्ष चुनाव से कुछ महीने पहले जनता पार्टी के बैनर तले एकजुट हुआ, जिसके लिए चौधरी चरण सिंह 1974 से लगभग अकेले ही संघर्ष कर रहे थे। उस समय वह राज नारायण के प्रयासों के कारण ही प्रधानमंत्री बने। राज नारायण जनता पार्टी-सेक्युलर के अध्यक्ष थे और उन्होंने चरण सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में पदोन्नत करने का आश्वासन दिया था, जिस तरह उन्होंने उन्हें वर्ष 1967 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री बनने में मदद की थी। हालाँकि जब इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया तो उन्होंने केवल 24 सप्ताह के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया। चरण सिंह ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया क्योंकि वह इंदिरा गांधी के आपातकाल से संबंधित अदालती मामलों को वापस लेने के लिए ब्लैकमेल किए जाने के लिए तैयार नहीं थे। छह महीने बाद नये चुनाव हुए। चरण सिंह 1987 में अपनी मृत्यु तक विपक्ष में लोकदल का नेतृत्व करते रहे। बतौर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। यह अधिनियम

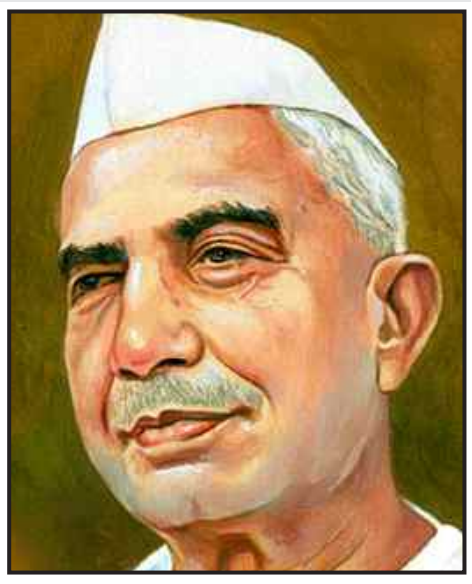

जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके। देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रह कर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की हो। एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिलता रहा। चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें एवं रूचार-पुस्तिकाएं लिखीं जिसमें जमींदारी उन्मूलन, भारत की गरीबी और उसका समाधान, किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, प्रिवेंशन ऑफ डिवीजन ऑफ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम, को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रे आदि प्रमुख हैं।

पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

पंजाब, पंजाब में आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी (आप) के गठबंधन पर पूरी तरह से विराम लग गया है। मंगलवार को आप की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी (पीएसी) की बैठक में आप के प्रदेश में अलग चुनाव लड़ने को लेकर फैसले पर मुहर लग गई है। बैठक में चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर भी मंथन किया गया, लेकिन अभी प्रदेश के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की गई है। दिल्ली में कांग्रेस के साथ पार्टी के गठबंधन को लेकर अभी बातचीत चल रही है। अगर ये फाइनल हो जाती है तो महीने के आखिर में वहां के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा हो सकती है और इसी के साथ ही पंजाब के उम्मीदवार भी फाइनल किए जा सकते हैं। बैठक के बाद पंजाब के सह प्रभारी डॉ. संदीप पाठक ने बताया कि पंजाब में दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला लिया है और वह इस फैसले का सम्मान करते हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव में अब बहुत ही कम समय बाकी रह गया है, इसलिए अब जल्द ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी। बता दें कि इससे पहले मुख्यमंत्री मंत्री भगवंत मान ने भी पंजाब में रैली के दौरान घोषणा की थी कि पार्टी पंजाब में अकेले ही चुनाव लड़ेगी। यही कारण है कि कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर इसकी तैयारी शुरु करने के लिए भी निर्देश दे दिए गए हैं। आप व कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के लिए अकेले चुनाव लड़ने का प्रमुख कारण है कि दोनों ही पार्टियों के प्रमुख नेता और कार्यकर्ता एक साथ चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हो रहा है। यही कारण है कि ऐसे में पार्टी हाईकमान उन पर किसी भी तरह का फैसला थोपना नहीं चाहता है। दूसरी तरफ आप भी अपनी इस बार अपनी स्थिति मजबूत मान कर चल रही है।

चौधरी चरण सिंह की विरासत सीट पर जयंत चौधरी ने ठोकी दावेदारी?

बागपत, आरएलडी और बीजेपी के गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को बदल कर रख दिया है। इसका सीधा असर दोनों ही पार्टियों के वोट बैंक पर पड़ेगा। माना जा रहा है पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आरएलडी को जहां अमृत मिल गया है। वहीं चौधरी साहब की विरासत सीट पर भी अब राजनीति तेज हो गई है। दो योजनाओं से बागपत सीट पर जीत का परचम लहराने वाले डॉक्टर सत्यपाल सिंह के टिकट पर तलवार लटक गई है। माना जा रहा है कि बागपत लोकसभा सीट जयंत चौधरी एक बार फिर मैदान में आने वाले है और डॉक्टर सत्यपाल सिंह का टिकट साफ हो जाएगा। गठबंधन प्रत्याशी के रूप में जयंत चौधरी के अपनी विरासत सीट पर चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतरने की प्रबल संभावना है। वहीं करीब 6 महीने से बागपत लोकसभा क्षेत्र में अपनी समाज सेवा का डंका पीट रहे इंजीनियर रामवीर मोकर ने भी भाजपा से टिकट की दावेदारी पेश कर दी है। उन्होंने क्षेत्र में कई विकास कार्यों में अपना योगदान दिया है। घर-घर जाकर अपना परिचय और भाजपा की उपलब्धियां बना रहे हैं। अपने पैतृक गांव सिरसली में उन्होंने करोड़ों रुपये विकास कार्यों में खर्च कर दिए। साथ ही दावा किया है कि बागपत जनपद के विकास में भी है अपना योगदान देंगे। हालांकि राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा और भाजपा किस चेहरे को बागपत से लोकसभा उम्मीदवार उतारेगी यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आरएलडी ही भाजपा की विपक्षी पार्टी थी। गठबंधन होने से इसका सीधा असर वोट बैंक पर पड़ने वाला है। आगामी लोकसभा चुनावों में जीत की सीटों पर सभी अपनी-अपनी दावेदारी करेंगे। भाजपा में पुराने चेहरों के टिकट कटने की प्रबल संभावना है। माना जा रहा है भाजपा नए चहरों पर दाव खेल सकती है। यही कारण है कि इं. रामवीर तोमर ने बीजेपी में बागपत सीट से टिकट की दावेदारी की है, जो चौधरी चरण सिंह परिवार की विरासत सीट रही है। आंकड़े बताते है कि भाजपा और आरएलडी का गठबंधन पश्चिम उत्तर प्रदेश में विपक्षीयों की जमानत जब्त करा सकता है।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

द रेड स्टार न्यूज को अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनीधि की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST
SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH, Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सवोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

आवश्यकता है ...
भारत के सभी राज्यों एवं जिलों से अनुभवी पत्रकार एवं विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें.
+91 9987585870

आवश्यक सूचना
पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619

महिलाओं से दुष्कर्म पर कलकत्ता हाईकोर्ट स्तब्ध

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हिंसा के मामले पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। हाई कोर्ट की सिंगल बेंच उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में हुई घटना पर स्वतः संज्ञान लिया और दो अलग-अलग मामलों में सुनवाई की इजाजत दी। जस्टिस अपूर्ब सिन्हा रॉय ने कहा कि मैं संदेशखाली में दो घटनाओं से स्तब्ध हूं। पहला मामला स्थानीय लोगों की जमीन जबरदस्ती कब्जा करने के आरोप से जुड़ा है। दूसरा बंदूक की नोक पर स्थानीय महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोप के संबंध में है। यह अदालत मामले में खुद संज्ञान लेते हुए सुनवाई की इजाजत देती है। एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने भी संदेशखाली का दौरा किया था। उन्होंने कहा था कि आत्मा को झकझोर देने वाली चीखें सुनी। जस्टिस सिन्हा रॉय ने यह भी कहा कि अदालत के लिए इस मामले में कदम उठाने का यह सही समय है। सिंगल बेंच ने राज्य सरकार को सुनवाई की अगली तारीख से पहले अदालत में एक रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

कतर से रिहा हुए कैप्टन सौरभ

देहरादून, 'पापा... मैं सौरभ बोल रहा हूं'। यह सुनते ही दून के आरके वशिष्ठ की आंखें छलक उठीं। यह आवाज उनके बेटे सौरभ वशिष्ठ की थी जो कतर की जेल से छूटकर दिल्ली में उतरे थे। आरके वशिष्ठ का हाल जुबिन नौटियाल के एक एलबम में फिल्माए सीन जैसा था। जिसमें वर्षों से गायब सैनिक पुत्र के घर आने की पिता को सूचना मिलती है, उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता। आरके भी बेटे की आवाज सुनते ही बोल पड़े- मेरी चौखट पर 'मेरे राम' आए हैं। बेटे के घर वापसी के इंतजार में तड़प रहे माता-पिता का कहना है कि कतर में फांसी-उम्रकैद की सजा के बाद बेटे का वापस आना चमत्कार से कम नहीं है। मंगलवार देर रात कतर से सभी रिहा हुए नौसैनिकों के साथ सौरभ वशिष्ठ भी कतर से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने दिल्ली पहुंचकर सबसे पहले अपने पिता आरके वशिष्ठ को फोन किया। मंगलवार की रात तीन बजकर 21 मिनट थे। देहरादून में टर्नर रोड के सी-26 स्थित मकान में बुजुर्ग पिता के फोन पर

अनजान नंबर से कॉल आया जिसे उन्होंने देखते ही काट दिया। सौरभ ने दोबारा फोन किया तो इमरजेंसी समझकर पिता ने फोन उठाया। उधर से आवाज आई... 'पापा... मैं सौरभ बोल रहा हूं।' पुत्र सौरभ के दोहा कतर में बंद होने के कारण पिता को समझने में कुछ दिक्कत हुई, तो सौरभ ने दोबारा बताया कि वह सौरभ बोल रहा है, उनका बेटा। पिता को यकीन नहीं हुआ कि सौरभ जेल के अंदर से भी उन्हें कॉल कर सकता है।

सोनिया गांधी हो सकती हैं राज्यसभा उम्मीदवार

नई दिल्ली,कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के साथ सीट बंटवारे और राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवारों के नामों पर सोमवार को चर्चा की। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन के नाम संभावित उम्मीदवारों में सबसे प्रमुख हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी को राजस्थान या हिमाचल प्रदेश से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है। संख्या बल के हिसाब से दोनों प्रदेशों से कांग्रेस को राज्यसभा की एक-एक सीट मिलेगी। सोनिया गांधी के इस बार लोकसभा लड़ने की संभावना नहीं है। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में कहा था कि यह आखिरी बार है, जब वह आम चुनाव लड़ रही हैं। यदि सोनिया गांधी को राज्यसभा चुनाव के लिये उम्मीदवार बनाया जाता है, तो उनके संसदीय जीवन में पहली बार होगा कि वह उच्च सदन में जाएंगी। सोनिया गांधी 1999 से लोकसभा सदस्य रही हैं। कांग्रेस ने 15 राज्यों की 56 सीट के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए अभी तक किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है.

गुजरात से अयोध्या जा रही आस्था स्पेशल ट्रेन पर पथराव

मुंबई, महाराष्ट्र में अयोध्या धाम जा रही आस्था स्पेशल ट्रेन पर पथराव की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुजरात के सूरत से अयोध्या जा रही आस्था स्पेशल ट्रेन को कुछ शरारती तत्वों ने निशाना बनाया। रविवार देर रात इस ट्रेन पर भारी पथराव किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, आस्था स्पेशल ट्रेन रात करीब 8 बजे सूरत स्टेशन से अयोध्या के लिए रवाना हुई। रात करीब 10.45 बजे ट्रेन जैसे ही नंदुरबार पहुंची, अचानक पथराव शुरू हो गया।

इस घटना से ट्रेन में सवार राम भक्तों में कुछ समय के लिए दहशत फ़ैल गई। उन्होंने तुरंत ट्रेन के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दीं। लेकिन फिर भी ट्रेन के अंदर कई पत्थर आ गए। गनीमत रही कि इस पथराव में कोई घायल नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) के जवान मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक पथराव करने वाले फरार हो चुके थे। प्रारंभिक जांच के बाद रेलवे पुलिस ने ट्रेन को आगे रवाना किया। इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। जीआरपी के मुताबिक रविवार रात 8 बजे अयोध्या धाम के लिए आस्था स्पेशल ट्रेन रवाना हुई। इस ट्रेन में कुल 1340 यात्री सवार थे। ट्रेन में यात्री खाना खाकर भजन कीर्तन कर रहे थे। इस बीच ट्रेन करीब पौने 11 बजे नंदुरबार पहुंची। यहां ट्रेन के रुकते ही अचानक पथराव शुरू हो गया। अचानक हुई इस घटना से यात्री घबरा गए। यात्रियों ने बताया कि पत्थर कई दिशाओं से आ रहे थे। ऐसे लग रहा था कि कई लोग मिलकर पथराव कर रहे थे। हालांकि तुरंत दरवाजे और खिड़कियाँ बंद कर देने से कोई यात्री घायल नहीं हुआ। लेकिन कई पत्थर ट्रेन के अंदर आ गए। जीआरपी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि 5 फरवरी को मुंबई से पहली आस्था स्पेशल ट्रेन अयोध्या के लिए रवाना हुई। इस दौरान सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला। यह ट्रेन मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से रवाना हुई थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आस्था स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से देशभर से आस्था स्पेशल ट्रेन चलायी जा रही है।

कल्याणकरों को मिलेगा ठाणे से भी बड़ा सेंट्रल पार्क

मुंबई, मुंबई, ठाणे की तरह ही कल्याण शहर को ग्रैंड सेंट्रल पार्क मिलने वाला है। सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस पार्क का उद्घाटन करने वाले हैं। योगी धाम में 25 एकड़ में फैला यह सार्वजनिक पार्क सोमवार से जनता के लिए खुल जाएगा। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्मार्ट कल्याण-डोंबिवली डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसकेडीसीएल) ने सेंट्रल पार्क का निर्माण किया है। पार्क में पेड़ों की 1,200 से अधिक प्रजातियां हैं। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि आने वालों को सभी सुविधाएं मिलेंगी। यह पार्क ठाणे के नमो सेंट्रल पार्क से भी बड़ा है। शुरुआत में यह पार्क 110 करोड़ रुपये की लागत से 38 एकड़ क्षेत्र में बनाया जाने वाला था। तकनीकी कारणों से एसकेडीसीएल को पूरी जमीन नहीं मिली, जिसके परिणामस्वरूप इसे 69.66 करोड़ रुपये की लागत के साथ 25 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया। वालधुनी नदी के तट पर 600 मीटर क्षेत्र में रिटेंशन वॉल बनाकर बनाए गए इस पार्क में विभिन्न आकर्षण केंद्र हैं, जैसे सैरगाह के साथ कृत्रिम झील, जॉगिंग ट्रैक, साइकल ट्रैक, एम्फीथियेटर और बच्चों के खेलने का क्षेत्र, पार्किंग और कैफेटेरिया। मुख्यमंत्री सोमवार को बीएसयूपी योजना में सड़क चौड़ीकरण प्रभावित व्यक्तियों के लिए घर, आधारवाडी में नवनिर्मित फायर ब्रिगेड कार्यालय और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कल्याण रेलवे स्टेशन के पास एक बहुमंजिला पार्किंग जैसी विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि कल्याण में ट्रैफिक समस्या से इन प्रॉजेक्ट की वजह से राहत मिलेगी। उल्हासनगर में नवनिर्मित 190 बिस्तरों वाले मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का भी उद्घाटन किया जाने वाला है। इस अस्पताल में मरीजों को मुफ्त इलाज मिलेगा। यह अस्पताल सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर चलाया जाएगा। अस्पताल के लिए प्रयास करने वाले कल्याण पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने बताया कि यह अस्पताल कैशलैस होगा।

अभिषेक घोषालकर ने झूठे रेप केस में फंसाया था?

मुंबई, शिवसेना (यूबीटी) के पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। फेसबुक लाइव के दौरान हुई इस हत्या से सनसनी फैल गई। अभिषेक को गोली मारने के बाद आरोपी मौरिस नोरोन्हा ने भी आत्महत्या कर ली। मौरिस के परिवार ने कहा कि अभिषेक घोसालकर के कहने पर ही मौरिस के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज हुई थीं और उस दिन के बाद वह अपमानित महसूस करता था। परिवार ने आरोप लगाया कि घोसालकर ने अमेरिकी दूतावास में बात करके मौरिस को अमेरिका में काम करने की अनुमति नहीं देने को कहा जिसके बाद मौरिस नोरोन्हा का कारोबार भी प्रभावित हुआ। वह बहुत परेशान रहता था। नोरोन्हा के खिलाफ कई मामले दर्ज थे। बलात्कार के एक मामले में गिरफ्तार होने के बाद वह लगभग पांच महीने जेल में रहा था। मौरिस के परिवार ने बताया कि वह हमेशा कहता था कि अभिषेक घोसालकर को सबक सिखाऊंगा। लेकिन उनके परिवार ने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द इतने गंभीर रूप ले लेंगे। नोरोन्हा अपने 40 के दशक में थे, उनके परिवार में उनकी पत्नी सरीना और एक 10 साल की बेटी है। मौरिस अमेरिका में पोकर खिलाड़ी था और एक व्यवसाय भी चलाता था। 2022 में मौरिस के खिलाफ एक महिला ने रेप का आरोप लगाया। महिला की तहरीर पर मौरिस के खिलाफ बलात्कार, ब्लैकमेल और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। इस घटना के बाद उसे अमेरिका से लौटते ही एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। वह लगभग पांच महीने जेल में रहा। उसके परिवार ने कहा कि बलात्कार के आरोप झूठे हैं। उन्हें अभिषेक घोसालकर पर मौरिस को फंसाने का आरोप लगाया।

जल्द खत्म नहीं होगी ठंड!

मुंबई, इस बार ठंड जल्द ही खत्म होने की संभावना के बीच मुंबई का तापमान लुढ़का है। रविवार को उपनगर का न्यूनतम तापमान लुढ़क कर 16.7 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 14 फरवरी तक रात में गर्मी से राहत रहेगी। मौसम विशेषज्ञों ने इस बार फरवरी के अंतिम सप्ताह तक ठंड का सीजन समाप्त होने की संभावना जताई है। पिछले सप्ताह महानगर के दिन और रात के तापमान में वृद्धि हुई थी। दिन का तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जबकि रात में 20 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान बना हुआ था। इसी बीच पिछले दो दिनों में मुंबई के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रीय मौसम विभाग के अनुसार रविवार को मुंबई न्यूनतम तापमान लुढ़ककर कर 16.7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। मौसम विशेषज्ञ ऋषिकेश आग्रे ने बताया कि उत्तर से मुंबई की ओर आने वाली ठंडी हवाएं प्रबल हो गई हैं। इसी के साथ पश्चिम से आने वाली नम हवाएं मुंबई के तापमान को बढ़ने नहीं दे रही हैं, इसके चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई हैं। 14 फरवरी तक तापमान यूंही बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार 17 फरवरी तक मुंबई का न्यूनतम तापमान 17 से 20 डिग्री सेल्सियस और दिन में 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। मुंबई महानगर के आसमान में एक बार फिर बादल छाने वाले हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 12 फरवरी को मुंबई के आसमान में दोपहर से ही बादल छाएंगे। हालांकि मुंबई में बारिश होने की संभावना न के बराबर है, लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार 9 फरवरी को मुंबई उपनगर के न्यूनतम तापमान में 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मुंबई का अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। पिछले साल नवंबर की शुरुआत में जब मुंबई में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा था तब बारिश ने मुंबईकरों को बड़ी राहत दी थी। बारिश से आबोहवा साफ हो गई थी।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जोड़ने का काम अप्रैल में होगा शुरू

मुंबई, मुंबई से पुणे की दूरी कम करने वाले कनेक्टर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। अटल सेतु को मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे से जोड़ने वाले 6.50 किमी लंबे कनेक्टर का निर्माण कार्य अप्रैल से आरंभ होगा। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने कार्यकारी समिति की बैठक में कनेक्टर तैयार करने के लिए ठेकेदार नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गावर कन्स्ट्रक्शन कंपनी को कनेक्टर तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया है। कनेक्टर बन जाने से वाहन बिना रुके मुंबई से पुणे तक आसानी से पहुंच सकेंगे। सिग्नल फ्री मार्ग होने से ईंधन की बचत के साथ ही यात्रियों के समय की भी बचत होगी। 22 किमी लंबे अटल सेतु के खुल जाने के बाद मुंबई के शिवडी से वाहन केवल 20 मिनट में नवी मुंबई तक पहुंच रहे हैं। लेकिन रायगड जिले के चिरले में अटल सेतु से उतरने के बाद वाहन चालकों को ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है। इस कारण मुंबई से तेजी से आने वाले वाहनों का समय सेतु से उतरने के बाद बर्बाद होता है। चालकों की समस्या का समाधान करने के लिए कनेक्टर के माध्यम से अटल सेतु को एक्सप्रेस वे से जोड़ने का प्लान तैयार किया गया है। कनेक्टर सेतु के चिर्ले इंटरचेंज से मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे के बीच होगा। ऐलिवेटेड कॉरिडोर के बन जाने से मुंबई के शिवडी से वाहन बिना रुके सीधे मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे तक पहुंच सकेंगे। मौजूदा समय में वाहनों को मुंबई से मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे तक पहुंचने के में करीब एक घंटे का समय लगाया है। वहीं प्रस्तावित ऐलिवेटेड कॉरिडोर के बन जाने से यह सफर केवल 30 मिनट में पूरा करना संभव होगा। राज्य की दो सबसे अच्छी सड़कों को जोड़ने वाले प्रॉजेक्ट को 30 महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। करीब 6.50 किमी लंबे कनेक्टर के निर्माण पर करीब 1102.75 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह कनेक्टर रेलवे के दो ब्रिज के ऊपर से होकर गुजरेगा। प्रॉजेक्ट के लिए 5.50 हेक्टर जमीन का अधिग्रहण होगा। एमएमआरडीए कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी के अनुसार, प्रॉजेक्ट के लिए ठेकेदार की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। 30 महीने के भीतर कनेक्टर बन कर तैयार होगा।

प्रिंसेस डॉक का मरीना प्रॉजेक्ट अब मुंबई पोर्ट ट्रस्ट करेगा पूरा

मुंबई, गेट वे ऑफ इंडिया के करीब निजी जहाजों की भीड़ कम करने के लिए मरीना प्रॉजेक्ट का निर्माण अब खुद मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (बीपीटी) करेगा। सालों से अटके इस प्रॉजेक्ट के लिए किसी ठेकेदार के सामने नहीं आने की वजह से बीपीटी ने अब खुद इसे पूरा करने की योजना बनाई है। दरअसल बीपीटी पिछले कई वर्षों से प्रिंसेस डॉक (मझगांव डॉक के पास) के करीब निजी जहाजों का पार्किंग स्थल बनाने की योजना पर काम कर रही है। प्रॉजेक्ट के लिए कई बार टेंडर भी आमंत्रित किए गए थे। ठेकेदारों को आकर्षित करने के लिए टेंडर की शर्तों में बदलाव कर दोबारा टेंडर जारी किया गया, लेकिन कोई कंपनी आगे नहीं आई। ठेकेदारों से चर्चा के बाद प्रॉजेक्ट के भीतर कमर्शल एरिया को भी डबल किया गया था। प्रॉजेक्ट के लिए पहले जो टेंडर जारी किया गया था, उसमें कमर्शल इस्तेमाल के लिए 1 हेक्टेयर क्षेत्र की अनुमति थी, जिसे अब बढ़ा कर 2 हेक्टेयर कर दिया गया है। कमर्शल स्पेस डबल करने के बाद भी बीपीटी को कोई ठेकेदार नहीं मिल पाया है। मरीना प्रॉजेक्ट के लिए ठेकेदार नहीं मिलने से परेशान होकर अब बीपीटी खुद इस प्रॉजेक्ट का काम शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। मरीना प्रॉजेक्ट की अड़चनें दूर करने के लिए बीपीटी ने इस पूरे प्रॉजेक्ट का नया प्लान तैयार करने का फैसला लिया है। बीपीटी इस प्रॉजेक्ट की रिमॉडलिंग करेगी। प्रॉजेक्ट का नया प्लान तैयार करने के लिए बीपीटी अब नया कंसल्टेंट नियुक्त करेगी। यह कंसल्टेंट वर्षों से अटके इस प्रॉजेक्ट को नए सिरे से पूरा करने का प्लान तैयार करेगा। साथ ही प्रॉजेक्ट के मार्ग में आ रही अड़चनों को दूर करने का सुझाव देगा। बीपीटी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार मरीना प्रॉजेक्ट का निर्माण निजी संस्थान के बजाए बीपीटी को ही करना चाहिए। निजी संस्थान को वहां काम करने में कई तरह की अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। इस कारण कोई कंपनी सामने नहीं आ रही है। हालांकि बीपीटी को भी इसके लिए कई अनुमति लेनी पड़ेगी। नए कंसल्टेंट के माध्यम से नया प्लान तैयार कर प्रस्ताव मंजूरी के लिए दिल्ली भेजा जाएगा। मरीना प्रॉजेक्ट के तहत प्रिंसेस डॉक के करीब 9.02 हेक्टर क्षेत्र में करीब 300 यॉट का पार्किंग स्थल बनाया जाना है। मरीना प्रॉजेक्ट में यॉट की पार्किंग के साथ ही उसकी मरम्मत की भी व्यवस्था होगी। यॉट के लिए पेट्रोल भी मरीना में ही उपलब्ध करवाया जाएगा। साथ ही होटल और रेस्टोरेंट का भी निर्माण होगा।

मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा की आँख मिचोली से खुलेआम चल रहा है स्मायन सलून एवं स्पा!

स्पा की आड़ में देह व्यापार तो नहीं?

कांदिवली। मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा के अंदर पार्टीसन रूपी केबिन और केबिन के अंदर लॉक सिस्टम यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं स्पा के अंदर गलत चल रहा है. वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पुणे स्टेशन पर धूं-धूं कर जली ट्रेन

मुंबई, महाराष्ट्र के पुणे रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक ट्रेन में आग लगने से हड़कंप मच गया। ट्रेन के एक एक कोच में आधी रात के बाद अचानक भीषण आग लग गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां पहुंचीं औ आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि घटना में कोई घायल या हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आज रात लगभग दो बजे पुणे रेलवे स्टेशन जंक्शन के यार्ड में खड़ी एक ट्रेन के डिब्बे में अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही समय में आग दो अन्य डिब्बों तक फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों और कर्मियों को मौके पर भेजा गया। ट्रेन काफी समय से यार्ड में खड़ी थी, इसलिए उसमें कोई यात्री मौजूद नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुणे रेलवे स्टेशन पर क्वीन्स गार्डन के बगल वाले यार्ड में खड़ी यात्री ट्रेन के स्लीपर कोच में पहले आग लगी। आग इतनी भीषण थी कि उंची लपटें और काला धुआं काफी दूर से दिख रहा था। इस घटना से रेलवे प्रशासन में खलबली मच गई। आनन-फानन में मौके पर रेलवे के अधिकारी और रेल पुलिस पहुंची। इस बीच फायर ब्रिगेड भी आग बुझाने में जुट गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ़िलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ट्रेन में आग कैसे लगी। रेलवे अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं।

मां के साथ जा रहे युवक को 10 बदमाशों ने घेरा

मुंबई, मुंबई से सटे ठाणे जिले से दिलदहला देने वाला मामला सामने आया है। उल्हासनगर में कई बदमाशों ने घेरकर एक 28 साल के लड़के की बेरहमी से हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि 10 आरोपियों ने पहले राहुल जयसवाल की आंखों में मिर्च स्प्रे की और फिर उसे चाकू घोंपा और पत्थर मारा। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को उल्हासनगर कोर्ट में पेश किया, जहां आरोपियों को 15 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले में फरार चार अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस की टीमें इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गये थे। आरोपियों को दबोचने के लिए तीन पुलिस टीमें अलग-अलग स्थानों पर भेजी गई। 24 घंटे के अंदर छह हैवानों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि गुप्त मुखबिरी एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुणे से मुख्य आरोपी प्रेमचंद उर्फ बाबू उर्फ पंजाबी मनोहर ढकनी और करण मनोहर ढकनी, उसके साथी संतोष अरुण साल्वे, प्रणय सुधीर शेट्टी, प्रफुल्ल सुरेश कुमावत, वसंत राधे ढकनी को गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले हफ्ते उल्हासनगर में एक 28 साल के युवक की 10 बदमाशों के गैंग ने आंखों में मिर्ची स्प्रे मारकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। घटना उल्हासनगर शहर के कैंप नंबर-3 के इमली पाड़ा इलाके में हुई थी। इसी इलाके में युवक अपने परिवार के साथ रहता था। इस मामले को लेकर सेंट्रल थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि राहुल जयसवाल को उसकी मां के सामने ही सड़क पर मौत के घाट उतार दिया गया। कुछ समय पहले मृतक युवक की बाइक जला दी गई थी। तब राहुल ने पंजाबी ढकनी के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मृतक राहुल अपने परिवार के साथ उल्हासनगर के फॉर्वल लाइन इलाके के इमली पाड़ा इलाके में रहता था। इसी इलाके में रहने वाले पंजाबी ढकनी और उसके दो साथियों ने 2022 में मृतक राहुल की बाइक जला दी थी। तब राहुल ने ढकनी के खिलाफ सेंट्रल थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने ढकनी को गिरफ्तार किया था। कुछ दिन बाद जब वह जमानत पर जेल से छूटा तो मृतक राहुल को धमकाने लगा और दोपहिया वाहन जलाने का मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने लगा। लेकिन मृतक राहुल ने केस वापस लेने से इनकार कर दिया। इसी विवाद के चलते आरोपी पंजाबी ढकनी, करण ढकनी ने अपने साथियों के साथ मिलकर राहुल जयसवाल के घर पर पथराव किया।

मॉल में शुरू हुआ फ्लावर फेस्टिवल

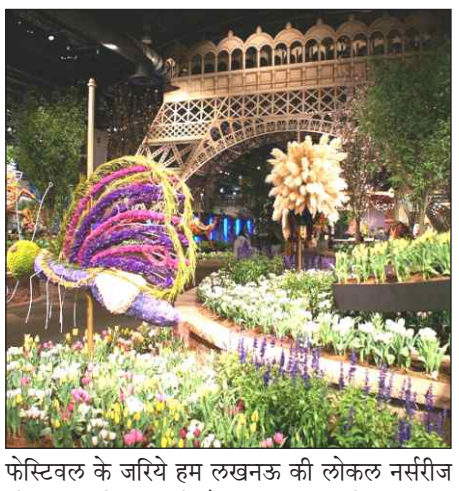

लखनऊ, लखनऊ, फ्लावर फेस्टिवल से लखनऊ की लोकल नर्सरी को मिलेगा बढ़ावा, फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोगो के पहुंचने की उम्मीद। लुलु मॉल में फ्लावर फेस्टिवल शुरु हो गया है। फेस्टिवल का उद्घाटन आईआईटीआर के निदेशक डा. भास्कर नारायण ने किया। यह फ्लावर फेस्टिवल 15 फरवरी तक चलेगा। इस फ्लावर फेस्टिवल की खास बात यह है कि इसमें लखनऊ की लोकल नर्सरी से पौधे मॉल में लाए गए हैं। नर्सरी के मालिक अपने पौधों एवं फूलों को यहां बेच भी सकेंगे। इस फ्लॉवर फेस्टिवल का एक मात्र उद्देश्य लखनऊ की लोकल नर्सरीज को बढ़ावा देना और दर्शकों ग्लोबल वार्मिंग के प्रति सचेत करना है। फ्लॉवर फेस्ट में देशी विदेशी सभी प्रकार के पौधे मौजूद हैं जैसे पोर्टुलाका, विंका (सदाबहार), सेलोसिया, ज़ीनिया, कोचिया इत्यादि । मॉल के जनरल मैनेजर समीर वर्मा ने कहा यह फ्लॉवर फेस्टिवल हमारे लिए काफी खास है, इस फ्लावर फेस्टिवल के जरिये हम लखनऊ की लोकल नर्सरीज को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह फ्लावर फेस्टिवल 6 दिन चलेगा जिसमें दर्शक मॉल में आके अपने पसंदीदा पौधे एवं फूल खरीद सकते हैं।

दो हजार सामाजिक सम्मेलन कराएगा ओबीसी मोर्चा

लखनऊ, लोकसभा चुनाव में होने में अब कुछ ही महीने बचे हुए हैं। सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव जीतने के लिए अभी से ही रणनीति तैयार करने में लगी है। वहीं बीजेपी यूपी के सभी 80 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में बीजेपी ओबीसी मोर्चा की ओर से सोमवार को लखनऊ के विश्वेश्वरैया सभागार में युवा संवाद कार्यक्रम का आगाज किया गया। सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने युवाओं को मोदी सरकार के दस साल में मिले अधिकार और सुविधाओं से वाकिफ कराया। उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है। ओबीसी आयोग के अध्यक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया है। नीट, केंद्रीय विद्यालय, सैनिक विद्यालयों में 27 फीसदी आरक्षण दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा सम्मान योजना में भी पिछड़े वर्ग के 18 समाजों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए मोदी का समर्थन करने का युवाओं से आह्वान किया। इसके अलावा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मोर्चा ने भाजपा की राजनीतिक क्षमता को बढ़ाया है। उन्होने बताया कि लोक सभा चुनावों में सभी 80 सीटें जीतने के लिए यूपी के 80 लोकसभा सीटों पर ओबीसी मोर्चा की ओर से दो हजार सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 18 मंडलों में मंडल स्तरीय सामाजिक सम्मेलन होंगे। 17 नगर निगमों में ओबीसी समाज के महा सम्मेलन होंगे।

सीएम योगी का तोहफा !

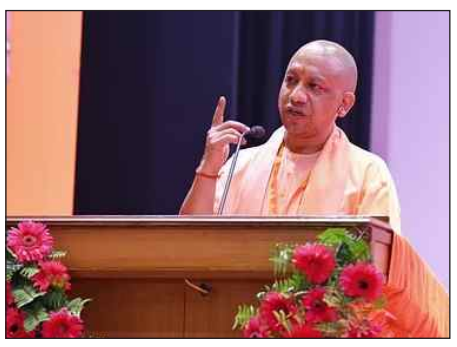

वाराणसी, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बाद से काशी में टूरिज्म इंडस्ट्री ने काफी लंबी छलांग लगाई है। न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि कई अन्य सेक्टरों ने उड़ान भरी है। अब तीर्थ यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए अब राज्य सरकार ने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए काशी दर्शन स्कीम शुरू करने का फैसला किया है। इस स्कीम के मुताबिक, सरकार की ओर से एक एसी बस की व्यवस्था की जाएगी, जो कि सभी तीर्थयात्रियों को वाराणसी के पांच धार्मिक स्थलों का दौरा करवाएगी, जिसमें काशी विश्वनाथ, काल भैरव दुर्गा और संकट मोचन मंदिर शामिल हैं। इस यात्रा की शुरुआत वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन से होगी। स्टेशन पर भी बुकिंग कराई जा सकती है। यह प्रस्ताव वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के माध्यम से मूर्त रूप लेगा। अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने वाराणसी में बड़े पैमाने पर मंदिरों का पुनरुद्धार और जीर्णोद्धार भी किया है।

एसएसपी दफ्तर के बाहर मारपीट

मुरादाबाद, यूपी के मुरादाबाद में आज मंगलवर को कलेक्ट्रेट में एसएसपी आफिस के सामने हंगामा हो गया। एसएसपी से सुरक्षा की गुहार लगाने आए प्रेमी युगल पर युवती पक्ष के लोगों ने हमला बोल दिया। फिल्मी अंदाज में हमलावरों ने युवक को पकड़कर हाथों और लातों से पिटाई शुरू कर दी। हमले से घबराए युवक ने जब बचने का प्रयास किया तो उसके कपड़े फाड़ दिए गए। मामले से मौके पर हड़कंप मचा गया। दरअसल, थाना पाकबड़ा क्षेत्र के गुरेठा गांव निवासी प्रेमी युगल एसएसपी से मिलकर सुरक्षा की गुहार लगाने आया था। बताया गया है कि प्रेमी युगल को युवती के परिजन से खतरा बना हुआा था। मंगलवार को दोपहर प्रेमी युगल एसएसपी आफिस के सामने था कि पांच-छह लोगों ने उसपर हमला बोल दिया। पुलिस के सामने ही लोग उसकी पिटाई करने लगे। वह बचने के लिए इधर-उधर भागने की कोशिश करने लगा तो हमलावरों ने उसके कपड़े फाड़ दिए। इस दौरान कुछ हमलावरों ने जूते-चप्पल निकाल कर उससे हमला किया। हमला करने वाले पिटाई करने के बाद युवक को पकड़कर एसएसपी दफ्तर के अंदर ले गए। युवक के कपड़े फटने से वह अर्द्धनग्न हो गया था। बताया जाता है कि प्रेमी युगल 11 फरवरी को घर से भाग निकला था। इसी को लेकर युवती के परिजन गुस्से में थे। एसपी देहात ने दोनों पक्षों को सिविल लाइंस थाने भेज दिया गया है।

21 साल के युवक की मिली लाश

बिजनौर, उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में 12 फरवरी को 21 साल के एक युवक का शव पाया गया। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी आज यानी 13 फरवरी को दी। मृतक की पहचान निवासी गांव पैंदा बिजेंद्र (26) पुत्र बुद्ध सिंह के रूप में हुई। यह मामला कोतवाली शहर थाना में नजीबाबाद-बिजनौर रोड का है। शहर पुलिस अधीक्षक संजीव वाजपेयी ने बताया कि, 12 फरवरी को रात करीब 9 बजे एक व्यक्ति की हत्या के संबंध में पुलिस को पीसीआर कॉल मिली थी। तत्काल सूचना पर स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस को एक आम बाग के अंदर 21 साल के बिजेंद्र का शव मिला और जिसका गला किसी धारदार हथियार से कटा हुआ था। मृतक के परिवार ने कोतवाली शहर थाने मे अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया। एएसपी ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवक की गर्दन को किसी धारदार हथियार से काट कर हत्या की गई है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल में शवगृह में भेजा गया है। क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सभी एंगल पर जांच जारी है और आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया गया कि मृतक के गले में बेल्ट का फंदा लगा हुआ था। आशंका जाहिर की गई कि आरोपियों ने बेल्ट से गला घोंटकर हत्या की है। मृतक का गला रक्तरंजित होने की वजह से धारदार हथियार से वार करने का अनुमान भी लगाया जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

विनोद एस.पी. सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 8887830802

अखिलेश यादव ने भगवान शालिग्राम की पूजा अर्चना !

इटावा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव समेत पार्टी के कई नेताओं ने इटावा में निर्माणाधीन केदारेश्वर मंदिर में स्थापित होने जा रही भगवान शालिग्राम शिला के पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर उसकी पूजा अर्चना की और लोकमंगल की कामना की। सपा कार्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, उनकी पत्नी सांसद डिंपल यादव, शिवपाल यादव, राज्यसभा की सपा उम्मीदवार जया बच्चन, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधानसभा में सपा के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय आदि नेताओं की उपस्थिति में शिला पूजन किया गया। सपा मुख्यालय में यादव समेत अन्य नेताओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। डिंपल यादव ने नारियल तोड़कर कर उसे भगवान शालिग्राम को अर्पित किया। पांडेय ने पत्रकारों को बताया कि इटावा में भगवान शिव का जो विशाल मंदिर बन रहा है उसमें स्थापित होने वाले शिवलिंग का निर्माण इसी शिला से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शालिग्राम की यह शिला नेपाल से यहां लाई गई है। सोमवार देर रात अखिलेश यादव ने शिला लाने वाले डीसीएम के सपा कार्यालय में प्रवेश का वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए अपने संदेश में कहा श्री शालिग्राम भगवान का आगमन देश-प्रदेश के लिए मंगलकारी एवं जन जन के लिए कल्याणकारी हो, इस पावन कामना के साथ हृदय से स्वागत। शालिग्राम की पूजा करने करने के बाद शिवपाल यादव ने कहा राम भी जब युद्ध के लिए गए थे तो भोलेनाथ की पूजा करके गए थे तो जब यह शिव मंदिर इटावा में बन जायेगा तो परिवार के साथ राम मंदिर जाएंगे।

जया प्रदा के खिलाफ जारी हुआ गैर जमानती वारंट

रामपुर, रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने पुलिस को अभिनेत्री जया प्रदा को गिरफ्तार करके पेश करने का आदेश दिया है। जया प्रदा के खिलाफ 7 वीं बार गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में फिल्म अभिनेत्री और पूर्व सांसद जयाप्रदा एक बार फिर रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में नहीं पहुंचीं। कोर्ट ने जया प्रदा के खिलाफ 7वीं बार गैर जमानती वारंट जारी किया है। इस केस में 27 फरवरी को सुनवाई होगी। कोर्ट ने जया प्रदा को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधीक्षक को विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया है। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि जयाप्रदा के पेशी पर न पहुंचने पर कोर्ट ने एक बार फिर उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। पूर्व सांसद जया प्रदा आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े दो मामलों में फरार हैं। आचार संहिता उल्लंघन के दोनों मामले साल 2019 लोकसभा चुनाव के हैं। उस समय वह रामपुर सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ था। रामपुर की एमपी- एमएलए कोर्ट में इसी मामले की सुनवाई हो रही है। कई बार गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी जयाप्रदा अदालत में हाजिर नहीं हुई हैं। कोर्ट रामपुर के एसपी को उन्हें गिरफ्तार कर पेश करने का आदेश दे चुकी है।कोर्ट के आदेश के बाद एसपी ने विशेष टीम का गठन किया था। ये टीम जयाप्रदा की तलाश में मुंबई तक गई थी लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

धार्मिक स्थल में मारपीट तोड़फोड़ से फैला आक्रोश

बरेली, फतेहगंज पश्चिमी में मंदिर में पूजा कर रहे ग्रामीण से गाली-गलौज, मारपीट और दीवार तोड़ने पर आक्रोश फैल गया। एसपी ग्रामीण और सीओ रात में ही पुलिस के साथ गांव पहुंच गए। पुलिस को देख आरोपी फरार हो गए। मंदिर और गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। अगरास गांव के पूर्व दिशा में पीपल का वृक्ष है। उसी के पास एक मंदिर बना है। सोमवार देर शाम करीब आठ बजे गांव निवासी दीपचंद्र वहां पूजा कर रहे थे। मंदिर के पास ही फसल की रखवाली कर रहा दन्ने और उसका बेटा किसी बात पर गाली-गलौज करने लगे। दीपचंद्र ने गाली देने का विरोध किया तो दोनों ने डंडे से पीट दिया। इसके बाद कई लोगों को बुला लिया। आरोप है उन लोगों ने धार्मिक स्थल की दीवार ढहा दी। दीपचंद्र ने गांव जाकर बताया तो आक्रोश फैल गया। पुलिस को देखकर आरोपी फरार हो गए। कुछ देर में एसपी ग्रामीण मुकेश मिश्रा, सीओ हाईवे नितिन कुमार भी पहुंच गए। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई के आश्वासन पर लोग शांत हुए। एसपी देहात के आदेश पर रात में ही दीवार बनवाई जाने लगी। तनाव को देखते हुए गांव और धार्मिक स्थल पर पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया। एसपी ग्रामीण मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि कुछ लोगों ने धार्मिक स्थल से कुछ दूर पर शराब पी। इसके बाद किसी बात पर एक-दूसरे से गाली गलौज और मारपीट करने लगे। मारपीट में एक पक्ष के चोट लग गई। इस दौरान धार्मिक स्थल की दीवार की ईंटें निकल गईं। किसी व्यक्ति ने झूठी अफवाह फैला दी। गांव में शांति है। दीवार सही कराई जा रही है।

बीडीओ की पत्नी ने डीएम पर लगाए गंभीर आरोप

आगरा, उत्तर प्रदेश की ताजनगरी आगरा के जिलाधिकारी भानुचंद्र गोस्वामी और बीडीओ अनिरुद्ध सिंह चौहान के बीच हुए विवाद के मामले ने तूल पकड़ लिया है। एक तरफ पुलिस मुकदमे में आरोपी बीडीओ की तलाश में जुटी है। वहीं दूसरी ओर बीडीओ की पत्नी ने डीएम पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, बीते दिनों आगरा के डीएम भानुचंद्र गोस्वामी और बीडीओ अनिरुद्ध सिंह चौहान के बीच भरी मीटिंग में विवाद हुआ था। बताया जाता है कि विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर आयोजित बैठक में डीएम ने बीडीओ को पेपरवेट फेंककर मारा तो बीडीओ ने उन्हें जूता मार दिया।

इस मामले में एडीओ की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। वहीं घटना के बाद से ही बीडीओ अनिरुद्ध सिंह फरार हैं। उन्हें पुलिस तलाश रही है। वहीं दूसरी ओर अब बीडीओ की पत्नी ने सीएम योगी को पत्र लिखकर डीएम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही मामले में निष्पक्ष जांच करवाकर उचित कार्रवाई की मांग की है। बीडीओ अनिरुद्ध सिंह चौहान की पत्नी दीपिका सिंह ने सीएम योगी को भेजी शिकायत में बताया है कि उन्होंने पहले डीएम के खिलाफ सीपी यानी पुलिस कमिश्नर जे रविन्दर गौड के पास शिकायत भेजी थी। इसमें दीपिका सिंह ने डीएम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन जिले का केस होने के चलते पुलिस ने उन्हें न्याय नहीं दिया। उन्होंने कहा कि डीएम की कार्यशैली बेहद आपत्तिजनक पूर्ण है। वह अपने पद का दुरुपयोग कर किसी भी हद तक जा सकते हैं। जबतक डीएम का तबादला किसी और जिले में नहीं किया जाएगा।

जांच निष्पक्ष नहीं होगी। साथ ही इस घटना में सत्यता से पर्दा नहीं उठेगा। बैठक में डीएम के साथ अभद्रता और हाथापाई के आरोप लगने के बाद सीडीओ ने बीडीओ को कार्यमुक्त करनते हुए ग्राम विकास आयुक्त कार्यालय से संबंद्ध कर दिया है। इसके साथ ही देवेंद्र सिंह को बरौली अहीर का नया बीडीओ बनाया गया है। वहीं थाना रकाबगंज पुलिस बीडीओ की तलाश में दबिशें दे रही है। 36 घंटे से अनिरुद्ध सिंह चौहान का मोबाइल बंद है।

24 घंटे के अंदर 25 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, हल्द्वानी हिंसा मामले में पिछले 24 घंटे के अंदर करीब 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा लूटे गए गोला-बारूद को भी उपद्रियों से जब्त कर लिया गया है। पुलिस की नजर अब्दुल मलिक की हर एक गतिविध पर है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी हो सकती है। हिंसा मामले की गंभीरता, संवेदनशीलता को देखते हुए कड़ा एक्शन भी लिया जा रहा है। शस्त्र लाइसेंस की भी जांच जारी है। हल्द्वानी हिंसा में अवैध रूप से खड़े मदरसे को लेकर बड़े स्तर पर अशांति फैली।

बुलडोजर लेकर हल्द्वानी नगर निगर प्रशासन पहुंचा तो विशेष समुदाय के लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। पुलिसकर्मी और थाने पर हमले किए। हमले के दौरान मौतें भी हुईं। 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अशांति फैलाने वाले हर एक जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रदेश में अभी भी कई जिलों में कर्फ्यू लगा है। इंटरनेट को सस्पेंड कर दिया गया है। हल्द्वानी हिंसा पर डीएम वंदना सिंह ने बताया था कि 3 दिन में अतिक्रमण हटाने के आदेश थे। उपद्रवियों ने पहले पत्थर जुटाए गए। पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। मीडिया वालों की भी गाड़ियां जलाई गई। बनभूलपुरा में अवैध ध्वस्तीकरण अभियान के खिलाफ उपद्रवियों के हौसले बुलंद थे। उन्होंने बच्चों और महिलाओं को आगे किया था। गलियों में पुलिसकर्मियों और नगर निगम कर्मियों को घेर लिया था। पत्थरबाजी हो रही थी, पुलिस वाले और नगर निगम कर्मचारी किसी तरह से बचकर भागे।

आवास विकास के फ्लैटों पर 42% छूट

लखनऊ, वृंदावन, अवध विहार और राजाजीपुरम में फ्लैटों के शुरू हुए आज से पंजीकरण। उप्र आवास एवं विकास परिषद ने अपनी योजना में फ्लैटों के पंजीकरण खोल दिए है। लखनऊ, गाजियाबाद, आगरा समेत कई शहरों में 12 फरवरी से 7 मार्च तक पंजीकरण कराया जा सकता है। बसंत पंचमी के अवसर पर आवास विकास ने खुद का आशियाना खरीदने वालों के लिए विशेष छूट भी दी है। फ्लैट के रेट पर 42 प्रतिशत तक छूट दी गई है। एक मुश्त भरतान पर अतिरिक्त छूट का लाभ भी मिल सकता है। दुर्बल आय वर्ग के भवनों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन की भी सुविधा दी गई है। परिषद ने वृंदावन योजना में पीजीआई गेट के पास से रेलवे लाइन की ओर जाने वाली सड़क पर सेक्टर 13 में 480 ईडब्ल्यूएस व 576 एलआईजी फ्लैट के लिए पंजीकरण खोले है। परिषद ने फ्लैट के मूल्य में 42 प्रतिशत तक की छूट दी है। हालांकि यह छूट पहले आओ पहले पाओ योजना के तहत पहले 15 दिन बुकिंग कराने पर ही मिलेगी। 180 मासिक किस्तों में भी आसानी से भुगतान किया जा सकता है। 25 या इससे अधिक फ्लैट बल्क में खरीदने वालों को 5ज्ञ अतिरिक्त छूट मिलेगी। इस तरह से बल्क में फ्लैट खरीदने वालों को 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। जिस फ्लैट के लिए एक से अधिक आवेदन होने पर उसका आवंटन लॉटरी से किया जाएगा। आवास विकास परिषद की योजनाओं में रिक्त 4000 फ्लैटों के पंजीकरण खोले है। आवास विकास ने प्राथमिकता के आधार पर फ्लैट का चयन करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। पीएम आवास योजना के तहत गरीबों को आवास मुहैया कराने में यूपी दूसरे राज्यों से आगे निकल गया है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक 3615041 आवास स्वीकृत किए गए है। इन सभी आवासों की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई थी। प्रदेश में अब तक 96.11 फीसदी लक्ष्य पूरा हो चुका है।

सपा को फिर लगा तगड़ा झटका !

आजमगढ़, लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने जोरशोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच यूपी में भाजपा ने यादव कार्ड खेलकर समाजवादी पार्टी को तगड़ा झटका दे दिया है। माना जा रहा है कि यूपी में भाजपा का ये यादव कार्ड समाजवादी पार्टी का किला ढहाने में बहुत कारगर साबित होगा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ओपनर के तौर पर मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव को यूपी की पिच पर उतार दिया है। इसके साथ ही मंगलवार यानी 13 फरवरी से ही डॉ. मोहन यादव ने यूपी के आजमगढ़ क्लस्टर में आने वाली आजमगढ़, लालगंज, घोसी, बलिया और सलेमपुर समेत पांच लोकसभा सीटों पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक भी शुरू करेंगे। दरअसल यूपी के जिन 12 जिलों में यादवों की आबादी 20 प्रतिशत से ज्यादा है। उनमें आजमगढ़ भी शामिल है। इस लिहाज से एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव को आजमगढ़ भेजना भाजपा का बड़ा सियासी दांव माना जा रहा है। राजनीति विश्लेषकों का कहना है कि दो महीने पहले भाजपा ने जो मध्य प्रदेश से यूपी-बिहार साधने के लिए यादव कार्ड खेला था। अब लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी उसी यादव कार्ड पर आगे बढ़ गई है। एमपी के सीएम का यूपी से गहरा नाता है। दरअसल यूपी के अंबेडकरनगर की भीटी तहसील के कोर्रा किछूटी में मोहन यादव की ससुराल है। इस लिहाज से यादव पट्टी में मोहन यादव को लोकसभा चुनाव की जिम्मेदारी देना बहुत अहम माना जा रहा है। एक दिन के यूपी दौरे पर जा रहे एमपी के सीएम मोहन यादव खासतौर पर आजमगढ़ क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले पांच लोकसभा सीटों के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में शामिल होंगे। आजमगढ़ के अलावा लालगंज घोसी बलिया सलेमपुर की इन बैठकों में यादव जिलाध्यक्ष से लेकर जिला प्रभारी, लोकसभा संयोजक, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा प्रबंध समिति के पदाधिकारी सांसद, विधायकों, विधानसभा के प्रत्याशियों समेत पंचायत और नगर पालिका नपगर पंचायत अध्यक्षों की बैठक लेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जब दो महीने पहले डॉ. मोहन यादव ने एमपी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। तभी कहा जा रहा था कि यूपी और बिहार की पिछड़ा वर्ग की राजनीति के तहत ये बीजेपी का मास्टर स्ट्रोक है। भाजपा ने इस बार लोकसभा में 400 सीटों का टारगेट रखा है। इसकी तैयारी के लिए लोकसभा सीटों को क्लस्टर के रुप में बांटा गया है। इसी के तहत डॉ. मोहन यादव यूपी की पांच लोकसभा सीटों के क्लस्टर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। राजनीतिक विश्लेषक पवन देवलिया का कहना है कि भाजपा अब दूरगामी चाल चल रही है।

यहां ब्रह्म हत्या जैसे पापों से मिलती है मुक्ति

जानें इससे जुड़े रोचक तथ्य....

रामेश्वरम हिंदुओं का एक पवित्र तीर्थ है। यह तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित है। यह तीर्थ हिन्दुओं के चार धामों में से एक है। इसके अलावा यहां स्थापित शिवलिंग बारह द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है।डक.भारत के उत्तर मे काशी की जो मान्यता है, वही दक्षिण में रामेश्वरम् की है। रामेश्वरम चेन्नई से लगभग सवा चार सौ मील दक्षिण-पूर्व में है। यह हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी से चारों ओर से घिरा हुआ एक सुंदर शंख आकार द्वीप है। मंदिर के प्रवेशद्वार का गोपुरम 38.4 मी. ऊंचा है। यह मंदिर लगभग 6 हेक्टेयर में बना हुआ है। मंदिर में विशालाक्षी जी के गर्भ-गृह के निकट ही नौ ज्योतिर्लिंग हैं, जो लंकापति विभीषण द्वारा स्थापित बताए जाते हैं। रामनाथ के मंदिर में जो ताम्रपट है, उनसे पता चलता है कि 1173 ईस्वी में श्रीलंका के राजा पराक्रम बाहु ने मूल लिंग वाले गर्भगृह का निर्माण करवाया था।

रामेश्वरम हिंदुओं का एक पवित्र तीर्थ है। यह तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित है। यह तीर्थ हिन्दुओं के चार धामों में से एक है। इसके अलावा यहां स्थापित शिवलिंग बारह द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है।डक.भारत के उत्तर मे काशी की जो मान्यता है, वही दक्षिण में रामेश्वरम् की है। रामेश्वरम चेन्नई से लगभग सवा चार सौ मील दक्षिण-पूर्व में है। यह हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी से चारों ओर से घिरा हुआ एक सुंदर शंख आकार द्वीप है। बहुत पहले यह द्वीप भारत की मुख्य भूमि के साथ जुड़ा हुआ था, परन्तु बाद में सागर की लहरों ने इस मिलाने वाली कड़ी को काट डाला, जिससे वह चारों ओर पानी से घिरकर टापू बन गया। यहां भगवान राम ने लंका पर चढ़ाई करने से पूर्व पत्थरों के सेतु का निर्माण करवाया था, जिसपर चढ़कर वानर सेना लंका पहुंची व वहां विजय पाई। बाद में राम ने विभीषण के अनुरोध पर धनुषकोटि नामक स्थान पर यह सेतु तोड़ दिया था। आज भी इस 30 मील (48 कि.मी) लंबे आदि-सेतु के अवशेष सागर में दिखाई देते हैं। यहां के मंदिर के तीसरे प्रकार का गलियारा विश्व का सबसे लंबा गलियारा है। जिस स्थान पर यह टापु मुख्य भूमि से जुड़ा हुआ था, वहां इस समय ढाई मील चौड़ी एक खाड़ी है। शुरू में इस खाड़ी को नावों से पार किया जाता था। बताया जाता है, कि बहुत पहले धनुष्कोटि से मन्नार द्वीप तक पैदल चलकर भी लोग जाते थे। लेकिन 1480 ई में एक चक्रवाती तूफान ने इसे तोड़ दिया। बाद में आज से लगभग चार सौ वर्ष पहले कृष्णप्पनायकन नाम के एक राजा ने उस पर पत्थर का बहुत बड़ा पुल बनवाया। अंग्रेजो के आने के बाद उस पुल की जगह पर रेल का पुल बनाने का विचार हुआ। उस समय तक पुराना पत्थर का पुल लहरों की टक्कर से हिलकर टूट चुका था। एक जर्मन इंजीनियर की मदद से उस टूटे पुल का रेल का एक सुंदर पुल बनवाया गया। इस समय यही पुल रामेश्वरम् को भारत से रेल सेवा द्वारा जोड़ता है। यह पुल पहले बीच में से जहाजों के निकलने के लिए खुला करता था। इस स्थान पर दक्षिण से उत्तर की और हिंद महासागर का पानी बहता दिखाई देता है। उथले सागर एवं संकरे जलडमरूमध्य के कारण समुद्र में लहरे बहुत कम होती है। शांत बहाव को देखकर यात्रियों को ऐसा लगता है, मानो वह किसी बड़ी नदी को पार कर रहे हों। रामेश्वरम् से दक्षिण में कन्याकुमारी नामक प्रसिद्ध तीर्थ है। रत्नाकर कहलानेवाली बंगाल की खाडी यहीं पर हिंद महासागर से मिलती है। रामेश्वरम् और सेतु बहुत प्राचीन है। परंतु रामनाथ का मंदिर उतना पुराना नहीं है। दक्षिण के कुछ और मंदिर डेढ़-दो हजार साल पहले के बने है जबकि रामनाथ के मंदिर को बने अभी कुल आठ सौ वर्ष से भी कम हुए है। इस मंदिर के बहुत से भाग पचास-साठ साल पहले के है। रामेश्वरम का गलियारा विश्व का सबसे लंबा गलियारा है। यह उत्तर-दक्षिणमें 197 मी. एवं पूर्व-पश्चिम 133 मी. है। इसके परकोटे की चौड़ाई 6 मी. तथा ऊंचाई 9 मी. है। मंदिर के प्रवेशद्वार का गोपुरम 38.4 मी. ऊंचा है। यह मंदिर लगभग 6 हेक्टेयर में बना हुआ है। मंदिर में विशालाक्षी जी के गर्भ-गृह के निकट ही नौ ज्योतिर्लिंग हैं, जो लंकापति विभीषण द्वारा स्थापित बताए जाते हैं। रामनाथ के मंदिर में जो ताम्रपट है, उनसे पता चलता है कि 1173 ईस्वी में श्रीलंका के राजा पराक्रम बाहु ने मूल लिंग वाले गर्भगृह का निर्माण करवाया था। उस मंदिर में अकेले शिवलिंग की स्थापना की गई थी। देवी की मूर्ति नहीं रखी गई थी, इस कारण वह निःसंगेश्वर का मंदिर कहलाया। यही मूल मंदिर आगे चलकर वर्तमान दशा को पहुंचा है। बाद में पंद्रहवीं शताब्दी में राजा उडैयान सेतुपति और निकटस्थ नागूर निवासी वैश्य ने 1450 में इसका 78 फीट ऊंचा गोपुरम निर्माण करवाया था। बाद में मदुरई के एक देवी-भक्त ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। सोलहवीं शताब्दी में दक्षिणी भाग के द्वितीय परकोटे की दीवार का निर्माण तिरुमलय सेतुपति ने करवाया था। इनकी व इनके पुत्र की मूर्ति द्वार पर भी विराजमान है। इसी शताब्दी में मदुरई के राजा विश्वनाथ नायक के एक अधीनस्थ राजा उडैयन सेतुपति कट्टत्तेश्वर ने नंदी मण्डप आदि निर्माण करवाए। नंदी मण्डप 22 फीट लंबा, 12 फीट चौड़ा व 17 फीट ऊंचा है। रामनाथ के मंदिर के साथ सेतुमाधव का मंदिर आज से पांच सौ वर्ष पहले रामनाथपुरम् के राजा उडैयान सेतुपति और एक धनी वैश्य ने मिलकर बनवाया था। सत्रहवीं शताब्दी में दलवाय सेतुपति ने पूर्वी गोपुरम आरंभ किया। 18वीं शताब्दी में रविविजय सेतुपति ने देवी-देवताओं के शयन-गृह व एक मंडप बनवाया। बाद में मुत्तु रामलिंग सेतुपति ने बाहरी परकोटे का निर्माण करवाया। 1897-1904 के बीच मध्य देवकोट्टई से एक परिवार ने 126 फीट ऊंचा नौ द्वार सहित पूर्वीगोपुरम निर्माण करवाया। इसी परिवार ने 1907-1925 में

गर्भ-गृह की मरम्मत करवाई। बाद में इन्होंने 1947 में महाकुम्भाभिषेक भी करवाया रामनाथ के मंदिर के चारों और दूर तक कोई पहाड़ नहीं है, जहां से पत्थर आसानी से लाये जा सकें। गंधमादन पर्वत तो नाममात्र का है। यह वास्तव में एक टीला है और उसमें से एक विशाल मंदिर के लिए जरूरी पत्थर नहीं निकल सकते। रामेश्वरम् के मंदिर में जो कई लाख टन के पत्थर लगे है, वे सब बहुत दूर-दूर से नावों में लादकर लाये गये है। रामनाथ जी के मंदिर के भीतरी भाग में एक तरह का चिकना काला पत्थर लगा है।

अनूठा है ... मदुरै का मीनाक्षी मंदिर

तमिलनाडु में स्थित मां मीनाक्षी देवी का यह मंदिर विश्व के सात अजूबों में शमिल है। वजह है यहां की वो महीन शिल्पकारी जिससे यहां मंदिर निर्माण किया गया है। देवी मीनाक्षी मां पार्वती का ही अवतार हैं। माँ मीनाक्षी भगवान शिव की पत्नी पार्वती का अवतार और भगवान विष्णु की बहन भी है। इस मंदिर में मां मीनाक्षी की पूजा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पूरे दक्षिण भारत में करने की परम्परा है। हिन्दु पौराणिक कथानुसार भगवान शिव सुन्दरेश्वरर रूप में अपने गणों के साथ पांड्य राजा मलयध्वज की पुत्री राजकुमारी मीनाक्षी से विवाह रचाने मदुरई नगर में आये थे। मीनाक्षी को देवी पार्वती का अवतार माना जाता है। इस मन्दिर को देवी पार्वती के सर्वाधिक पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। देवी पार्वती ने पूर्व में पाँड्य राजा मलयध्वज, मदुरई के राजा की घोर तपस्या के फलस्वरूप उनके घर में एक पुत्री के रूप में अवतार लिया था। वयस्क होने पर उसने नगर का शासन संभाला। तब भगवान आये और उनसे विवाह प्रस्ताव रखा जो उन्होंने स्वीकार कर लिया। मां का यह विशाल भव्य मंदिर तमिलनाडू के मदुरै शहर में है। यह मंदिर मीनाक्षी अम्मन मंदिर प्राचीन भारत के सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। माँ मीनाक्षी का यह अम्मन मंदिर को विश्व के नए सात अजूबों के लिए नामित किया गया है। मंदिर का मुख्य गर्भगृह 3500 वर्ष से अधिक पुराना माना जा रहा है। यह मंदिर भी भारत के सबसे अमीर मंदिरों में से एक है। हिंदू पौराणिक ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव सुंदरेश्वर रूप में अपने गणों के साथ पाड्य राजा मलयध्वज की पुत्री राजकुमारी मीनाक्षी से विवाह रचाने मदुरै नगर आए थे। क्योंकि मीनाक्षी देवी मां पार्वती का रुप हैं। इस विशाल भव्य मंदिर का स्थापत्य एवं वास्तु भी काफी रोचक है। जिस करण माँ का यह मंदिर को सात अजूबों में नामांकित किया गया है। इस इमारत में 12 भव्य गोपुरम है, जिन पर महीन चित्रकारी की है। इस मंदिर का विस्तार से वर्णन तमिल साहित्य में प्रचीन काल से होता आया है। वर्तमान में जो मंदिर है यह 17वीं शताब्दी में बनवाया गया था। मंदिर में आठ खंभो पर आठ लक्ष्मीजी की मूर्तियां अंकित हैं। इन पर भगवान शंकर की पौराणिक कथाएं उत्कीर्ण हैं। यह मंदिर मीनाक्षी या मछली के आकार की आंख वाली देवी को समर्पित है। मछली पांड्य राजाओं को राजचिह्न है। आधुनिक ढांचे का इतिहास सही सही अभी ज्ञात नहीं है किन्तु तमिल साहित्य के अनुसार कुछ शताब्दियों पहले का बताया जाता है। तिरुज्ञानसंबन्दर, प्रसिद्ध हिन्दू शैव मतावलम्बी संत ने इस मन्दिर को आरम्भिक सातवीं शती का बताया है औरिन भगवान को आलवइ इरैवान कह है। इस मन्दिर में मुस्लिम शासक मलिक कफूर ने 1310 में खूब लूटपाट की थी।इसके प्राचीन घटकों को नष्ट कर दिया। फिर इसके पुनर्निर्माण का उत्तरदायित्व आर्य नाथ मुदलियार, मदुरई के प्रथम नायक के प्रधानमन्त्री, ने उठाया।

वे ही पोलिगर प्रणाली के संस्थापक थे। फिर तिरुमलय नायक, लगभग 1623 से 1659 का सर्वाधिक मूल्यवान योगदान हुआ। उन्होंने मन्दिर के वसंत मण्डप के निर्माण में उल्लेखनीय उत्साह दिखाया शिव मन्दिर समूह के मध्य में स्थित है, जो देवी के कर्मकाण्ड बाद में अधिक बढने की ओर संकेत करता है। इस मन्दिर में शिव की नटराज मुद्रा भी स्थापित है। शिव की यह मुद्रा सामान्यतः नृत्य करते हुए अपना बांया पैर उठाए हुए होती है, परन्तु यहां उनका दांया पैर उठा है। एक कथा अनुसार राजा राजशेखर पांड्य की प्रार्थना पर भगवान ने अपनी मुद्रा यहां बदल ली थी। यह इसलिये था कि सदा एक ही पैर को उठाए रखने से, उस पर अत्यधिक भार पडेगा। यह निवेदन उनके व्यक्तिगत नृत्य अनुभव पर आधारित था यह भारी नटराज की मूर्ति, एक बडी चांदी की वेदी में बंद है, इसलिये इसे वेल्ली अम्बलम् (रजत आवासी) कहते हैं। इस गृह के बाहर बडे शिल्प आकृतियां हैं, जो कि एक ही पत्थर से बनी हैं। इसके साथ ही यहां एक वृहत गणेश मन्दिर भी है, जिसे मुकुरुनय विनायगर् कहते हैं।

एक ऐसा मंदिर जहां बहन के साथ विराजमान हैं धर्मराज यमराज

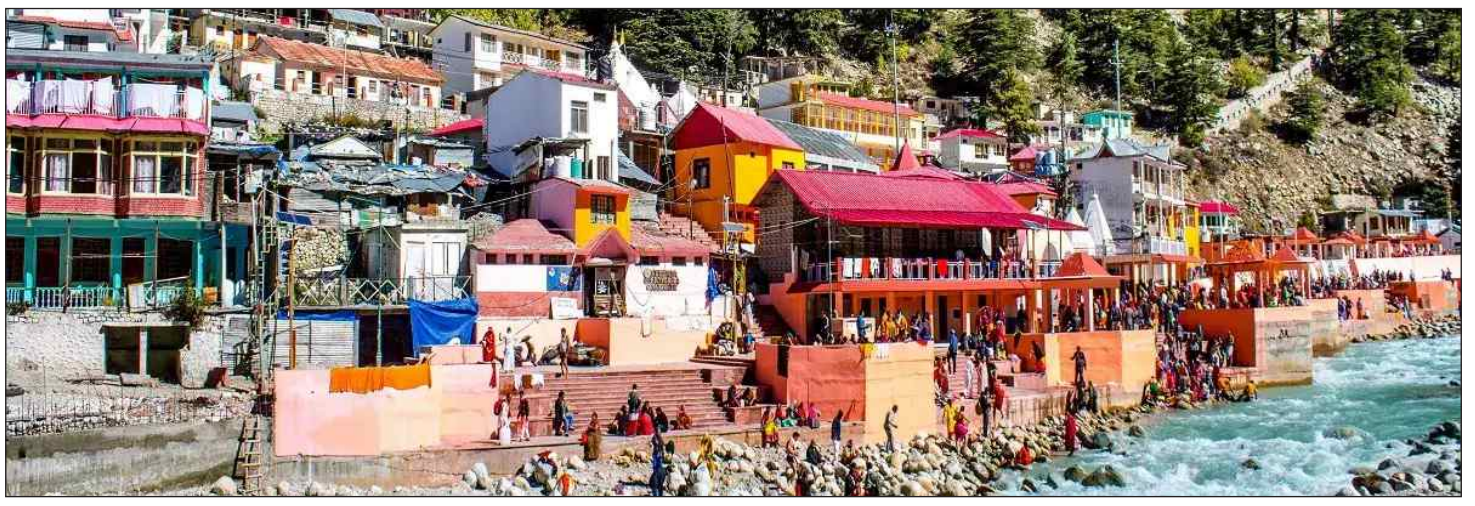

यमुनोत्री उत्तरकाशी जिले में समुद्रतल से 3235 मी. ऊँचाई पर स्थित वह स्थान है जहाँ से यमुना नदी निकलती है। यह देवी यमुना का निवास स्थल भी है। यहाँ पर देवी यमुना का एक मंदिर है। यह एक प्रमुख हिन्दू तीर्थ भी है और चार छोटे धामों में से एक है। यमुनोत्री भारत के उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित है। यह उत्तरकाशी से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर में तथा ऋषिकेश से 210 किलोमीटर और हरिद्वार से 255 किलोमीटर सड़क मार्ग से जुड़ा समुद्रतल से 3283 मीटर उँचाई पर स्थित है। पुराणों में यमुना को सूर्यतनया कहा गया है।सूर्यतनया का शाब्दिक अर्थ है सूर्य की पुत्री। सूर्य की छाया और संज्ञा नामक दो पत्नियों से यमुना, यम, शनिदेव तथा वैवस्वत मनु प्रकट हुए। इस प्रकार यमुना यमराज और शनिदेव की बहन हैं। भ्रातृ द्वितीया (भैयादूज। भाई दूज) पर यमुना के दर्शन और मथुरा में स्नान करने का विशेष माहात्म्य है। यमुना सर्वप्रथम जलरूप से कलिंद पर्वत पर आयीं, इसलिए इनका एक नाम कालिंदी भी है। सप्तऋषि कुंड, सप्त सरोवर कलिंद पर्वत के ऊपर ही अवस्थित हैं। यमुनोत्तरी धाम सकल सिद्धियों को प्रदान करने वाला कहा गया है। पुराणों में उल्लेख है कि भगवान श्रीकृष्ण की आठ पटरानियों में एक प्रियतर पटरानी कालिंदी यमुना भी हैं। यमुना के भाई शनिदेव का अत्यंत प्राचीन मंदिर खरसाली में है। कहा गया है- जो व्यक्ति यमुनोत्तरी धाम आकर यमुनाजी के पवित्र जल में स्नान करते हैं तथा यमुनोत्तरी के सान्निध्य खरसाली में शनिदेव का दर्शन करते हैं, उनके सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। यमुनोत्तरी में सूर्यकुंड, दिव्यशिला और विष्णुकुंड के स्पर्श और दर्शन मात्र से लोग समस्त पापों से मुक्त होकर परमपद को प्राप्त हो जाते हैं। एक पौराणिक गाथा के अनुसार यह असित मुनि का निवास था। वर्तमान मंदिर जयपुर की महारानी गुलेरिया ने 19वीं सदी में बनवाया था। भूकम्प से एक बार इसका विध्वंस हो चुका है, जिसका पुर्ननिर्माण कराया गया। यमुनोत्तरी तीर्थ, उत्तरकाशी जिले की राजगढी (बड़कोट) तहसील में ऋषिकेश से 251 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में तथा उत्तरकाशी से 131 किलोमीटर पश्चिम -उत्तर में 3185 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। यह तीर्थ यमुनोत्तरी हिमनद से 5मील नीचे दो वेगवती जलधाराओं के मध्य एक कठोर शैल पर है। यहाँ पर प्रकृति का अद्भुत आश्चर्य तप्त जल धाराओं का चट्टान से भभकते हुए ओम् सदृश ध्वनि के साथ निःस्तरण है। तलहटी में दो शिलाओं के बीच जहाँ गरम जल का स्रोत है, वहीं पर एक संकरे स्थान में यमुनाजी का मन्दिर है। वस्तुतः शीतोष्ण जल का मिलन स्थल ही यमुनोत्तरी है। हनुमान चट्टी यमुनोत्तरी तीर्थ जाने का अंतिम मोटर अड्डा है। इसके बाद नारद चट्टी, फूल चट्टी व जानकी चट्टी से होकर यमुनोत्तरी तक पैदल मार्ग है। इन चट्टीयों में महत्वपूर्ण जानकी चट्टी है, क्योंकि अधिकतर यात्री रात्रि विश्राम का अच्छा प्रबंध होने से रात्रि विश्राम यहीं करते हैं। कुछ लोग इसे सीता के नाम से जानकी चट्टी मानते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। 1946 में एक धार्मिक महिला जानकी देवी ने बीफ गाँव में यमुना के दायें तट पर विशाल धर्मशाला बनवाई थी, और फिर उनकी याद में बीफ गाँव जानकी चट्टी के नाम से प्रसिद्ध हो गया। यहीं गाँव में नारायण भगवान का मन्दिर है। पहले हनुमान चट्टी से यमुनोत्तरी तक का मार्ग पगडंडी के रूप में बहुत डरावना था, जिसके सुधार के लिए खरसाली से यमुनोत्तरी तक की 4 मील लम्बी सड़क बनाने के लिए दिल्ली के सेठ चांदमल ने महाराजा नरेन्द्रशाह के समय 50000 रुपए दिए। पैदल यात्रा पथ के समय गंगोत्री से हर्षिल होते हुए एक छाया पथ भी यमुनोत्तरी आता था। यमुनोत्तरी से कुछ पहले भैंरोघाटी की स्थिति है जहाँ भैंरो का मन्दिर है। अनेक पुराणों में यमुना तट पर हुए यज्ञों का तथा कूर्मपुराण में यमुनोत्तरी माहात्म्य का वर्णन है। केदारखण्ड में यमुना के अवतरण का विशेष उल्लेख है। इसे सूर्यपुत्री, यम सहोदरा और गंगा-यमुना को वैमातृक बहने कहा गया है। ब्रह्मांड पुराण में यमुनोत्तरी को यमुना प्रभव तीर्थ कहा गया है। ऋग्वेद मे यमुना का उल्लेख है। महाभारत के अनुसार जब पाण्डव उत्तराखंड की तीर्थयात्रा में आए तो वे पहले यमुनोत्तरी, तब गंगोत्री फिर केदारनाथ-बद्रीनाथजी की ओर बढ़े थे, तभी से उत्तराखंड की यात्रा वामावर्त की जाती है। हेमचन्द्र ने अपने काव्यानुशान मे कालिन्द्रे पर्वत का उल्लेख किया है, जिसे कालिन्दिनी (यमुना) के स्रोत प्रदेश की श्रेणी माना जाता है। डबराल का मत है कि कुलिन्द जन की भूमि संभवतः कालिन्दिनी के स्रोत प्रदेश में थी। अतः आज का यमुना पार्वत्य उपत्यका का क्षेत्र, जो रंवाई, जौनपुर जौनसार नामों से जाना जाता है, प्राचीनकाल में कुणिन्द जनपद था। महामयूरी ग्रंथ के अनुसार यमुना के स्रोत प्रदेश में दुर्योधन यक्ष का अधिकार था। उसका प्रमाण यह है कि पार्वत्य यमुना उपत्यका की पंचगायीं और गीठ पट्टी में अभी भी दुर्योधन की पूजा होती है। यमुना तट पर शक और यवन बस्तियों के बसने का भी उल्लेख है। काव्यमीमांसाकार ने 10वीं शताब्दी में लिखा है कि यमुना के उत्तरी अंचलों में जहाँ शक रहते हैं, वहाँ यम तुषार-कीर भी है। इस प्रकार यमुनोत्तरी धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रही। यमुनोत्तरी पहुँचने पर यहाँ के मुख्य आकर्षण यहाँ के तप्तकुण्ड हैं। इनमें सबसे तप्त जलकुण्ड का स्रोत मन्दिर से लगभग 20 फीट की दूरी पर है, केदारखण्ड वर्णित ब्रह्मकुण्ड अब इसका नाम सूर्यकुण्ड एवं तापक्रम लगभग 195 डिग्री फारनहाइट है, जो कि गढ़वाल के सभी तप्तकुण्ड में सबसे अधिक गरम है।

जुगार माफियाओं का अड्डा बना मुंबई शहर

हिंदमाता टाकीज के पीछे चल रहा मटका जुगार

दादर पूर्व। मुंबई पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि मुंबई शहर में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है।

प्रशांत कदम
पोलीस उप आयुक्त (परिमंडल-4)

गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन अंतर्गत पुलिस स्टेशन मे मात्र कुछ मीटर की दूरी पर हिंदमाता टाकीज के पीछे गली से लेकर खेल मैदान तक मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया द्वारा मटका जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। उक्त जुगार एड्डे में ग्राहकों के साथ लड़ाई झगड़े व तू-तू मै-मै हर रोज होते रहते है। स्थानीय भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त परिमंडल 04, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मध्य प्रादेशिक विभाग, संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध व प्रशासन एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय मुंबई में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

जुगार माफियाओं का अड्डा बना आरे कालोनी!

मरोल सिक्योरिटी चेक-पोस्ट पर रिटायर्ड पुलिसकर्मी संतोष पवार का चल रहा मटका जुगार?

PRESS

द रेड स्टार न्यूज़ — राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

09, Vibhaco Building, Marjelebar Wadi, Liberty Garden Road, Malad (West), Mumbai - 400 064.
Tel.: +91 22 2888 1212 / +91 22 3559 7469 • Email: editor_redstar@yahoo.com • Website: www.theredstarnews.com

दिनांक : 11/09/2022

सेवामें..
मा. पुलिस आयुक्त
मुंबई पुलिस आयुक्तालय,
क्राफर्ड मार्केट, मुंबई शहर, मुंबई,

विषय : आरे पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में जुगार माफिया पवार बंधू द्वारा आरे कालोनी कार्टूनिस्ट मरोल सिक्युरिटी चेकपोस्ट के आस पास परिसर में चलाये जा रहे मटका जुगार अड्डे पर कार्यवाही के सम्बन्ध में.

महोदय ..
निवेदन है कि समाजसेवी संस्थाओं, व्यापारियों एवं स्थानीय रहिवासियों से प्राप्त शिकायत के अनुसार आरे पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में जुगार माफिया व हिस्ट्रीशीटर पवार बंधू एवं कंपनी द्वारा आरे कालोनी कार्टूनिस्ट मरोल सिक्युरिटी चेकपोस्ट के आस पास परिसर में स्थानीय गुंडों की तैनात बड़े पैमाने पर मजीनेंजन की आड़ में कटा-पीटा (टायमर गेम), बॉल गेम, शोरट, तितली-कबूतर, चक्री गेम, अन्दर-बाहर, गुड़-गुड़ी, पताड़ा व मैन स्टार लाइन एवं 15-20 राइटर के माध्यम से मटका जुगार (सिट्टा) का व्यवसाय स्थानीय गुंडों की तैनात बनाया जा रहा है, ज्ञात हो की स्थानिय पुलिस अधिकारी के जानकारी में मटका जुगार देर रात तक चल रहा है ..

अतः निवेदन है कि जुगार अड्डे के आस पास लगे सीसी टीवी निरिक्षण करते हुए जुगार संचालक पवार बंधू व राइटरों के नीलाफद अपर करते हुए जुगार सैंटर की सर्वेलेंस रैंक एवं प्रत्यक्ष ज्ञान से संयुक्त जाँच कराकर जुगार का पर्दाफास करने एवं चलाने वाले सभी जुगार माफियाओं को जुगार एक्ट के साथ मुंबई, ठाणे एवं पालघर जिलों से तड़ीपार कर क्षेत्र में अमन शांति कायम करने में समाजसेवी संस्थाओं, व्यापारियों एवं स्थानीय रहिवासीयों की मदत करें.

धन्यवाद...

विनीत
विनोद
संपादक : द रेड स्टार न्यूज़,
9987585870.

प्रति रवाना ....
मा. अति. पुलिस आयुक्त : उत्तर प्रादेशिक विभाग, ठाकुर विलेज, कांदिवली पूर्व, मुंबई,
मा. पुलिस उपायुक्त : परिमंडल 12, राजेंद्र नगर, बोरिवली पूर्व, मुंबई,
मा. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक : आरे पुलिस स्टेशन, आरे कालोनी, गोरेगांव पूर्व, मुंबई,

गोरेगांव पूर्व। मुंबई पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि मुंबई शहर मे आरे कालोनी आदिवासी पाड़ा व आरे मिल्क डेरी के रूप मे जाना जाता है साथ मे पर्यावरण के मामले पश्चिम उपनगरीय का हब माना जाता है। वही कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। ज्ञात हो कि अवैध जुगार धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में प्रकाशित न्यूज के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद मुंबई शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा आरे पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के मरोल चेक पोस्ट पर वड़ा पाव और चाय की हाथगाड़ी के पीछे आरे बाउंड्री दिवाल के पास स्थानीय पुलिस की नाक पर रिटायर पुलिसकर्मी (स्थानीय पुलिस कॉलोनी का रहिवासी) एवं जुगार माफिया व पुलिसकर्मी संतोष पवार द्वारा बड़े पैमाने मटका जुगार चलाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल एवं व्हाट्सप्प द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त, पुलिस आयुक्त, पुलिस महासंचालक, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह, मुख्य सचिव, गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है.? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

निर्मल नगर पुलिस स्टेशन अन्तर्गत खुला मटका जुगार!

जुगार माफियाओं से साँठ गाँठ करके मुख्यमंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश को कूड़ेदान में डालती निर्मल नगर पुलिस ?

खार पूर्व, राज्य में तो भ्रष्टाचार चरम पर है, यहां का शासन प्रशासन इतना करप्ट है कि मौत के सौदागरों से भी हप्ता लेकर आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करती है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में झटपट लाटरी, मटका जुगार व अवैध ड्रग्स कारोबार पर रोक लगा रखी है, परंतु शासन प्रशासन के आंख के नीचे अवैध कारोबारी एवं जुगार माफिया सक्रिय हैं, वही द रेड स्टार न्यूज़ पेपर द्वारा बार बार खबर प्रकाशित करने के बावजूद लगता है कि महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस तथा संबंधित अधिकारी जुगार माफियाओ के आगे नतमस्तक हो गये है। महाराष्ट्र के हर जिले व शहर में मटका जुगार व अवैध कारोबार का ही बोलबाला है। यहाँ बताते चले कि अवैध कारोबारियों एवं जुगार माफियाओ की इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि वो लोगों की जिंदगियों से भी खिलवाड़ करने में नहीं हिचकते? महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस चाहे जितना भी भ्रष्टाचार पर भाषण देते रहे परंतु इनके भाषण पर प्रशानिक अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता। जहां प्रदेश के हर कोने में अवैध धंधे व जुगार माफियाओं की भरमार है, इसी तरह स्थानीय रहिवाशियो द्वारा खबर मिली है कि परिमंडल 08 के निर्मल नगर पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के अलग अलग परिसर में सुरेश पालखी द्वारा खार रेलवे ब्रिज के सामने की गली में, विट्ठल अन्ना द्वारा बहराम पाइप लाइन के अन्दर सीबू बार के पिछे एवं उमेश अन्ना द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन से कुछ मीटर की दुरी पर मच्छी मार्किट के पास मटका जुगार बोंल-गेम, शोरट, तितली-कबूतर, जन्ना-मन्ना, चक्री, अन्दर बाहर, गुड़-गुड़ी, पताड़ा, मेंन स्टार-लाइन एवं 20-25 राइटरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जुगार का व्यवसाय स्थानीय गुंडों, मवालियों व शराबियो के जमावड़ो को साथ लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को गुमराह करके देर रात तक जुगार चलाया जा रहा है? उक्त मामले में स्थानीय रहिवाशियो व शिकायतकर्ताओं ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि जुगार के उक्त रैकेट को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल व क्राइम ब्रांच से संयुक्त जाँच कराकर एवं जुगार चलाने वाले सभी जुगार माफियाओं को तड़ीपार कर क्षेत्र में अमन शांति कायम करने में समाजसेवी संस्थाओं एवं रहिवासियों की मदत करें ..

जुगार माफियाओं और अवैध धंधों का गढ़ बना ठाणे शहर!

वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन की हद में जुआघरों की भरमार!

तीन हाथ नाका बस स्टैंड के पिछे चल रहा विकास झाड़े का मटका जुगार ..

वागले इस्टेट ठाणे, ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया विकास झाड़े एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा वागले पुलिस स्टेशन अंतर्गत ठाणे पश्चिम वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे व एलबीएस मार्ग जंक्शन, तीन हाथ नाका इंटरनिटी माल रिक्षा स्टेण्ड के पास, वेस्ट बस केबिन के पीछे मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया विकास झाड़े द्वारा मटका जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। उक्त जुगार एड्डे में ग्राहकों के साथ लड़ाई झगड़े व तू-तू मै-मै भी होते रहते है। स्थानीय वागले पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

अमरसिंह जाधव
पुलिस उप आयुक्त (परिमंडळ-5)

पढ़े अगले अंक में ...
कासर बड़वली पुलिस स्टेशन अंतर्गत पातलीपाड़ा परिसर में हिस्ट्री-शीटर एवं जुगार माफिया मन्नू तिवारी द्वारा मटका जुगार का खेल. परिमंडल-5 पुलिस उपायुक्त टीम द्वारा पिछले सप्ताह छापामारी के पश्चात जुगार अड्डा फिर से बड़े पैमाने पर चल रहा है.
जुगार अड्डे का संचालक एवं संरक्षक पुलिस अधिकारियों के नाम एवं नंबर के साथ खुलासा...

भिवंडी शहर में स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार क्लब?

बार बार शिकायतों के बावजूद संबंधित पुलिस द्वारा नहीं होती होती है कार्यवाई?

भिवंडी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा निजामपूरा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में खाड़ीपार रोड पर गारवा ढाबा (खड्डा कंपाउंड) के पास राम चन्द्र भावर्ते की जगह पर उमेश चौहान व अनवर लंगडा द्वारा जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार माफियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

सेहत ही नहीं रूप निखारने में भी मददगार है अनार का जूस

हेल्दी और एनर्जेटिक रहने के लिए हम कई बार बाहर से पैकेज्ड फ्रूट जूस या सोडा ड्रिंक्स पीते हैं लेकिन इसमें अलग से काफी मात्रा में शुगर और प्रिजरवेटिव्स मिलाए जाते हैं, जो सेहत के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए इसके बदले, घर पर बनाया गया फ्रेश फ्रूट जूस पीना काफी फायदेमंद हो सकता है। अनार सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसलिए घर पर इसका ताजा जूस निकालकर पीना भी काफी लाभदायक हो सकता है। अनार का जूस पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

इसे पीने से कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलती है जिससे आर्टरीज ब्लॉक नहीं होती है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इस कारण से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में भी काफी मदद मिलती है। अनार का जूस पीना आपकी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें विटामिन-सी होता है जो डार्क स्पॉट्स, सन डैमेज आदि से बचाव करने में मदद करता है। साथ ही, इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा भी अधिक होती है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। अनार के जूस में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रेडिकल डैमेज को कम करके इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद करता है। इम्यून सिस्टम मजबूत होने की वजह से इन्फेक्शन आदि का खतरा भी कम होता है। अनार में एक ऐसा कंपाउंड पाया जाता है जो इंफ्लेमेशन को कम करने में मदद करता है। क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की वजह से दिल की बीमारियां, डायबिटीज आदि का खतरा रहता है। इंफ्लेमेशन को कम कर, अनार का जूस इन बीमारियों से बचाव में मदद करता है। अनार में थाइमिन और फॉलेट पाए जाते हैं, जो सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। ये सेल को बेहतर तरीके से काम करने में भी मदद करते हैं। इसलिए अनार का जूस पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। अनार के जूस में एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं। साथ ही एंटी-ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल डैमेंज को भी कम करते हैं, जिससे कैंसर से एक हद तक सुरक्षा मिल सकती है।

भावनाओं में बहकर कर रहे हैं इमोशनल ईटिंग तो करें इसे काबू

खराब लाइफस्टाइल की वजह से तनाव हमारी लाइफ का हिस्सा बन गया है। काम की वजह से, घर में कोई विवाद, करियर की चिंता और भी कई कारणों से आप आसानी से स्ट्रेस का शिकार हो सकते हैं। तनाव को दूर करने के लिए या इससे ध्यान हटाने के लिए कई बार बिंज इटिंग शुरू कर देते हैं। भूख न लगे होने के बावजूद स्ट्रेस, अकेलापन, दुख, बोरियत आदि जैसी नकरात्मक भावनाओं की वजह से अधिक खाने को इमोशनल ईटिंग कहते हैं। खाना हमें कई प्रकार से कंफर्टेबल महसूस करवाता है। इसलिए स्ट्रेस के दौरान या बहुत दुखी होने पर हम अक्सर अधिक चीनी, नमक और प्रोसेस्ड फूड्स को खाना पसंद करते हैं, लेकिन इमोशनल ईटिंग की वजह से सेहत से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं। इस कारण से वजन बढ़ने, दिल की बीमारियां डायबिटीज और हाई बीपी की समस्या भी हो सकती है। इसलिए इमोशनल ईटिंग की आदत में सुधार लाना बेहद जरूरी है। आपकी मदद करने के लिए हम कुछ ऐसे टिप्स लाए हैं, जो इस आदत को सुधारने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं किन टिप्स से इमोशनल ईटिंग की आदत में सुधार किया जा सकता है। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, तनाव या अन्य किसी नकरात्मक भावना की वजह से हमारे शरीर में कॉर्टिसोल रिलीज होता है। कॉर्टिसोल की मात्रा अधिक होने की वजह से घेरलिन हार्मोन भी अधिक रिलीज होता है, जिस कारण से भूख अधिक लगती है। इसके अलावा, एक कारण यह भी है कि कोर्टिसोल फाइट या फ्लाइट इंस्टिंक्ट को एक्टिव करता है, जिस कारण से बॉडी खुद को बचाने के लिए एलर्ट हो जाती है और खतरे से लड़ने की एनर्जी के लिए खाने की तरफ आकर्षित होने लगती है। इस दौरान कुछ खास प्रकार के फूड आइटम्स, जैसे- चॉकलेट, फ्रेंच फ्राइज, चिप्स आदि को खाने की इच्छा ज्यादा होती है। ये फूड्स मात्र तीन मिनट के लिए बेहतर महसूस करवाने में मदद करते हैं, लेकिन उसके बाद इसका असर खत्म हो जाता है। इसलिए इमोशनल ईटिंग से आपको सिर्फ ऐसा महसूस होता है कि आपको बेहतर लग रहा है, लेकिन यह एक अस्थायी भावना होती है, जिसके कारण बाद में आपको बिंज इटिंग करने पर पछतावा होता है। तनाव के समय अक्सर गहरी और लंबी सांसे लेने से तनाव को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

क्या है इस्केमिक स्ट्रोक और इसके लक्षण?

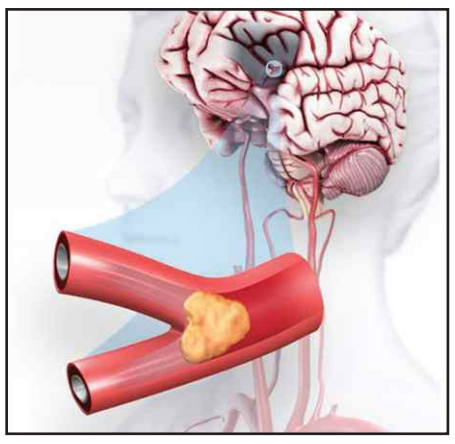

शनिवार यानी 10 फरवरी को बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की अचानक तबियत बिगड़ने के चलते उन्हें कोलकाता के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद उन्हें तुरंत इमरजेंसी वॉर्ड में एडमिट कराया गया। हालांकि अब वो खतरे से बाहर हैं। हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने आधिकारिक बयान जारी किया। जिसमें उन्होंने बताया कि मिथुन चक्रवर्ती को ब्रेन स्ट्रोक हुआ है।

इस्केमिक स्ट्रोक एक ऐसी स्थिती होती है जिसमें ब्रेन में ब्लड का सर्कुलेशन कम होने लगता है और इसके चलते मस्तिष्क को जरूरी मात्रा में ऑक्सीजन भी नहीं मिल पाता। ऐसी कंडीशन में अगर सही समय पर उपचार न मिला तो मस्तिष्क की नसें डैमेज होने लगती हैं और फिर लकवा हो जाता है।

इस्केमिक स्ट्रोक के लक्षण

- आंखों से ठीक से दिखाई न देना
- चेहरे, हाथ या पैरों में सुन्नता या कमजोरी
- चलने-फिरने में दिक्कत होना
- बोलने में परेशानी या बात को समझने में कठिनाई
- बिना वजह सिरदर्द

इस्केमिक स्ट्रोक के कारण

- बढ़ती उम्र
- शरीर में बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल
- हाइपरटेंशन
- अनहेल्दी लाइफस्टाइल
- स्मोकिंग
- शुगर
- हार्ट प्रॉब्लम

इस्केमिक स्ट्रोक की रोकथाम

- हेल्दी डाइट लें और वजन को कंट्रोल में रखें।
- रोजाना थोड़ी देर जब भी वक्त मिले एक्सरसाइज जरूर करें।
- ब्लड प्रेशर के साथ अगर आप शुगर के मरीज हैं, तो इन दोनों को खानपान, जांच और दवाइयों की नियंत्रित रखें।
- धूम्रपान और एल्कोहल अवॉयड करें।

वेट लॉस करना चाहते हैं तो खाएं ये जड़ वाली सब्जियां

आजकल ज्यादातर लोग फास्टफूड की तरफ आकर्षित होने लगे हैं, जिसकी वजह से वह कम उम्र में ही मोटापे का शिकार हो रहे हैं। मोटापा आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी एक गंभीर समस्या है, जिससे छुटकारा पाने के लिए लोग हर रोज अनेक तरह से जतन करते हैं। जिम में वर्कआउट करने से लेकर जॉगिंग, वॉकिंग,योगा आदि बहुत सब कुछ करते हैं। हालांकि सिर्फ एक्सरसाइज और वर्कआउट से वजन कंट्रोल में नहीं आ सकता। इसके लिए हेल्दी डाइट प्लान का होना भी बेहद जरूरी है। हेल्दी डाइट प्लान में प्रोटीन विटामिन फाइबर आयरन कैल्शियम मैग्नीशियम और मिनिरल्स से भरपूर संतुलित आहार का ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में कुछ जड़ वाली सब्जियां हैं, जिनके नियमित सेवन से वजन को कंट्रोल में रखा जा सकता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिससे वेट तो कंट्रोल में रहता ही है साथ ही शरीर को समुचित पोषण भी मिलता है।

चुकंदर- एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर चुकंदर वेट लॉस के लिए बेहद जरूरी जड़ वाली सब्जी है। वैसे तो इसे खून बढ़ाने के लिए खाया जाता है लेकिन इसमें मौजूद मिनरल तत्व हमारे वजन को कंट्रोल में रखने का काम करता है।

मूली- फाइबर और कम कैलोरी युक्त मूली हमारे पाचन तंत्र को व्यवस्थित रखने का काम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी मददगार साबित होती हैं।

गाजर- बीटा कैरोटीन युक्त गाजर आंखों की रेशनी बढ़ाने के साथ ही वजन कंट्रोल में सहायक होता है। इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसे ताजे सलाद सूप या जूस के रूप में सेवन किया जा सकता है। इससे बनने वाला हलवा विंटर सीजन के बेस्ट स्वीट डिश होता है।

बंडा या तारो- उत्तर भारत में तारो को बंडा भी कहते हैं। ये स्टार्चयुक्त जड़ वाली सब्जी पेट को स्वस्थ रखने के साथ-साथ वजन को कंट्रोल में रखने का काम करती है। इससे बनने वाले डिश को बहुत ही टेस्टी नाश्ते के रूप में खाया जा सकता है।

शलगम- फाइबर से भरपूर शलगम कम कैलोरी वाली सब्जी है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

शकरकंद- विटामिन्स, फाइबर और अनेक तरह के मिनरल तत्वों से भरपूर शकरकंद प्रकृति का दिया हुआ एक मीठा उत्पाद है। इसे उबालकर या रोस्ट करके खाया जा सकता है।

लंबे समय तक ऑफिस में बैठना ले सकता है आपकी जान?

अगर आपकी डेस्क जॉब है तो जाहिर है कि आपको भी काफी देर तक एक ही जगह बैठे रहना पड़ता होगा। एक ही जगह बैठे रहना और फिजिकल एक्टिविटी कम करना सेडेंटरी लाइफस्टाइल कहलाता है। हमारे रोजमर्रा के जीवन में भी हमारी कई ऐसी आदतों हैं जिनकी वजह से भी हम फिजिकल एक्टिविटी भी कम करते हैं लेकिन एक स्टडी में इसकी वजह से होने वाले नुकसान के बारे में पता चला है। जामा ओपन जर्नल में पब्लिश हुई एक स्टडी में पता चला है कि जो व्यक्ति ऑफिस के दौरान काफी समय तक बिना ब्रेक लिए अपनी कुर्सी पर बैठे रहते हैं उनमें ऐसा न करने वालों की तुलना में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज की वजह से मौत होने की संभावना 34 प्रतिशत बढ़ जाती है और किसी अन्य कारण से मौत का खतरा 16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सेडेंटरी लाइफस्टाइल की वजह से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। ऑफिस में बहुत लंबे समय तक अपनी सीट से न उठने की वजह से मोटापा, ब्लड प्रेशर बढ़ना, बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ना, डायबिटीज, इंफ्लेमेशन आदि जैसी कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। वजन बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है, इनएक्टिव लाइफस्टाइल की वजह से पुरुषों में पेट के हिस्से में फैट इकट्ठा होने लगना और महिलाओं की कमर और जांघों में फैट बढ़ने लगता है। इसके अलावा, महिलाओं में हार्मोनल इम्बैलेंस और ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। ये सभी रिस्क फैक्टर्स न केवल दिल की बीमारियों के बल्कि, डायबिटीज, स्ट्रोक आदि के जोखिम भी काफी हद तक बढ़ाते हैं।

कैसे कर सकते हैं बचाव?

इस कारण से यह जरूरी है कि एक्टिव लाइफस्टाइल को फॉलो किया जाए। इसके लिए आप अपनी रोज की आदतों में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं, जो आपकी तरफ से आपकी सेहत को एक बेहतरीन तोहफा हो सकता है।

काम के बीच में थोड़े समय का ब्रेक लें। बहुत लंबे समय तक ऑफिस में बैठना आपकी मजबूरी हो सकती है लेकिन इस दौरान भी आप फोन कॉल्स के लिए, चाय या कॉफी ब्रेक के लिए, लंच ब्रेक के दौरान आप थोड़ा वॉक कर सकते हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होगा और अन्य रिस्क फैक्टर्स भी काफी हद तक कम हो सकते हैं।

ऑफिस में लिफ्ट या एसक्लेटर के बदले, सीढ़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपका ऑफिस बहुत ऊंची मंजिल पर नहीं है, तो सीढ़ियों का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।

रोज थोड़ी देर एक्सरसाइज करें। ऑफिस आने से पहले या घर पहुंचने के बाद अपनी सुविधा के अनुसार, आप एक्सरसाइज करने का समय निकाल सकते हैं। रोज 30 मिनट की एक्सरसाइज भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

ऑफिस के दौरान आप अपनी डेस्क पर बैठे-बैठे ही एक्सरसाइज कर सकते हैं। लाइट स्ट्रेचिंग करने से ब्लड सर्कुलेशन काफी बेहतर होता है।

डिप्रेशन की वजह से बढ़ सकता है शरीर का तापमान

वक्त के साथ-साथ लोगों में मेंटल हेल्थ के प्रति जागरूकता बढ़ी है। लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल रखने, इससे जुड़ी बीमारियों के लक्षणों आदि पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। हालांकि, यह सफर बेहद लंबा है। इस बारे में और जानकारी पाने के लिए मेंटल हेल्थ से जुड़ी कई स्टडीज भी होती रहती हैं। हाल ही में, एक स्टडी में शरीर के तापमान और डिप्रेशन के बीच संबंध पता करने की कोशिश की गई है। इस स्टडी के लिए दुनियाभर से 20,000 लोगों को शामिल किया गया। सेल्फ असेस्मेंट और डिवाइस की मदद से इन लोगों के बॉडी टेंप्रेचर और डिप्रेशन के लक्षणों के बारे में रोज पता किया गया। साल 2020 की शुरुआत में शुरू हुई स्टडी को सात महीनों तक किया गया। इस डाटा के विश्लेषण में पाया गया कि जिन लोगों में डिप्रेशन के लक्षण थे, उनके शरीर का तापमान भी औरों की तुलना में अधिक था। हालांकि ऐसा क्यों होता है, इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आ पाई है, लेकिन शरीर के कूलिंग प्रोसेस को शुरू करने के लिए हॉट बाथ और सौना की मदद लेना फायदेमंद हो सकता है।

क्या है डिप्रेशन?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, डिप्रेशन एक कॉमन मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर है, जिससे दुनियाभर में लगभग 3.8 प्रतिशत लोग प्रभावित हैं। यह आंकड़ा छोटा नजर आ सकता है लेकिन यह इतनी गंभीर बीमारी है कि इसकी वजह से लोग आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर भी मजबूर हो जाते हैं। इसलिए इस बीमारी के लक्षणों के बारे में पता होना बेहद आवश्यक है ताकि इससे लड़ने के लिए डॉक्टर की मदद ली जा सके।

क्या हैं डिप्रेशन के लक्षण?

डिप्रेशन की वजह से अक्सर पीड़ित व्यक्ति के मन में उदासी छाई रहती है वे काफी दुखी और निराश महसूस करते हैं

-हमेशा थकान महसूस होना
-चिड़चिड़ापन
-खाने-पीने और सोने की आदतों में बदलाव
-रोज के कामों में रुची न रहना
-खुद को नुकसान पहुंचाने के ख्याल आना
-सोचने में तकलीफ होना
-अपनी हॉबीज में रुची खो देना

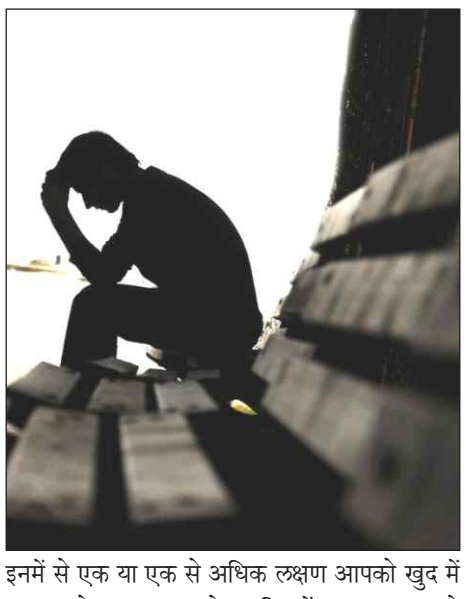

इनमें से एक या एक से अधिक लक्षण आपको खुद में या आपके आस-पास के व्यक्ति में नजर आए, तो डॉक्टर की मदद लेना सबसे बेहतर विकल्प है। वे दवाइयों और थेरेपी की मदद से डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

सर्दी-खांसी ने आपको भी कर दिया है परेशान

फरवरी के बीतते महीने के साथ ही सर्दियां भी कुछ कम होने लगी हैं। हालांकि यह पूरी तरह से गई नहीं है। बीते कुछ दिनों से तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। ऐसे में सर्दी के आखिरी महीनों में एक बार फिर खांसी-जुकाम के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यह समस्या अक्सर हमारे लिए परेशानी की वजह बन सकती है और रोजमर्रा के कामकाज में बाधा डाल सकती है। ऐसे में लोग अक्सर दवाओं की मदद से इससे राहत पाने को कोशिश करते हैं। हालांकि आप दवाओं के अलावा किचन में मौजूद कुछ मसालों की मदद से भी सर्दी-खांसी से राहत पा सकते हैं। अगर आप या आपके आसपास भी कोई सर्दी-खांसी से परेशान है, तो इन मसालों की मदद से इससे राहत पा सकते हैं। लौंग आमतौर पर गरम मसाले और माउथ फ्रेशर के रूप में इस्तेमाल होने वाली लौंग सर्दी-खांसी से राहत दिलाने काफी मदद करती हैं। यह एंटी-इंफ्लेमेटरी कंपाउंड से भरपूर होती है, जो गले में खराश, खांसी और सर्दी को ठीक करने में मदद करती है।

इलायची- अक्सर मीठे व्यंजनों, मिठाईयों या अन्य पकवानों में इस्तेमाल होने वाली इलायची भी खांसी और सर्दी के लक्षणों को कम करने में मददगार साबित होगी। हरी और काली इलायची की दोनों गी किस्मों में प्रतिरक्षा को बढ़ाने और खांसी और सर्दी से राहत दिलाने वाले गुण पाए जाते हैं।

जीरा- जीरा लगभर हर भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाला एक लोकप्रिय और बेहद आम मसाला है। खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही यह आपकी सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। पाचन बेहतर करने के साथ ही यह सर्दी-खांसी से भी आराम दिलाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो सर्दी-खांसी को कम करने में मदद करते हैं।

काली मिर्च- विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर काली मिर्च भी सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में असरदार है। इसमें मौजूद तत्व प्रतिरक्षा को बढ़ाने और खांसी-सर्दी को कम करने में मदद मिलती है।

दालचीनी- दालचीनी का इस्तेमाल अक्सर खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। साथ ही यह वजन घटाने और डायबिटीज कंट्रोल करने का एक प्राकृतिक उपचार भी है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करता है और खांसी और सर्दी से राहत देता है।

शिवसेना

उद्धव बाळासाहेब ठाकरे

उत्तर भारतीय एकता मंच

शिवसेना

उद्धव बाळासाहेब ठाकरे

गणपती बाप्पा मोरया

बसंत पंचमी गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें

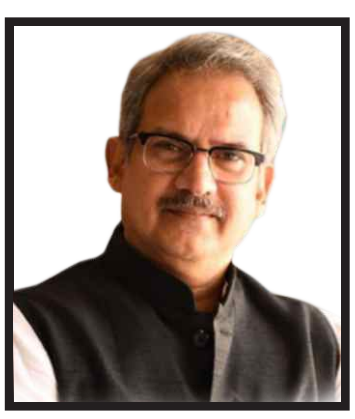
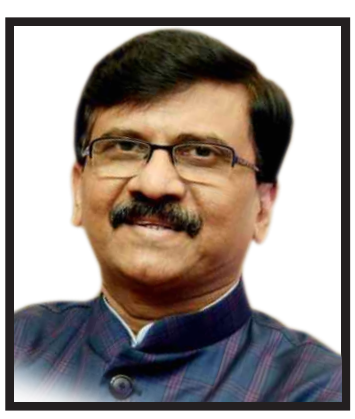
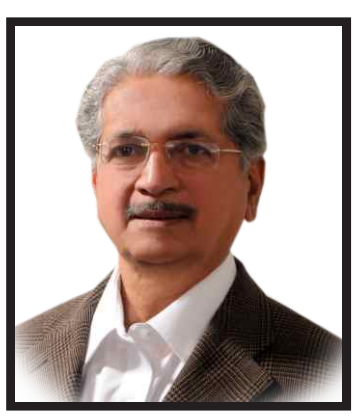

अशोक तिवारी

राष्ट्रीय संघटक-शिवसेना

राष्ट्रीय अध्यक्ष - उत्तर भारतीय एकता मंच

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्रीय संघटक-शिवसेना

राष्ट्रीय महासचिव - उत्तर भारतीय एकता मंच